Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 48
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार, 24 फरवरी, 2026

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 'मराठी माणूस की ताकत दिखाएंगे', अजित...
4 विदेश गए बच्चे, अकेले रह गए माता-पिता...
7 टी20 विश्व कप : दक्षिण अफ्रीका से हार के ...

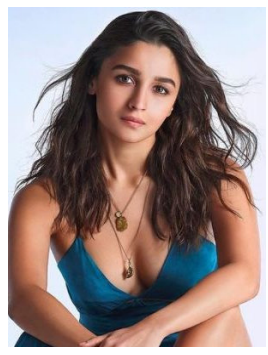

संक्षिप्त न्यूज

क्रैश नहीं हुआ था तेजस विमान एचएएल ने हादसे को लेकर दी सफाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय वायुसेना के एलसीए तेजस फाइटर जेट के कथित क्रैश को लेकर चल रही अटकलों के बीच हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने स्थिति स्पष्ट की है। कंपनी ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा है कि तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त नहीं हुआ, बल्कि लैंडिंग के दौरान रनवे पर मामूली तकनीकी खराबी आई थी, जिसे कुछ मीडिया रिपोर्टों में गलत तरीके से 'क्रैश' बताया गया।

भारतीय वायुसेना के हल्के लड़ाकू विमान तेजस को लेकर हाल ही में सामने आई क्रैश की खबरों पर हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि तेजस विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबरें पूरी तरह निराधार हैं और ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। एचएएल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्टों में तेजस फाइटर जेट के क्रैश की बात कही गई थी, जबकि वास्तविकता यह है कि विमान के साथ जमीन पर लैंडिंग के दौरान एक मामूली तकनीकी समस्या आई थी। कंपनी ने साफ किया कि इसे दुर्घटना या क्रैश कहना गलत है। कंपनी के अनुसार, एलसीए तेजस विश्वस्तरीय तकनीक से लैस लड़ाकू विमान है और इसका सुरक्षा रिकॉर्ड काफी बेहतर रहा है। मानक प्रक्रियाओं के तहत इस तकनीकी गड़बड़ी की विस्तृत जांच की जा रही है। एचएएल और भारतीय वायुसेना मिलकर मामले की समीक्षा कर रहे हैं, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति से बचा जा सके। दरअसल, सोशल मीडिया पर यह अफवाह फैली थी कि 7 फरवरी को पाकिस्तान सीमा के पास स्थित एक फॉरवर्ड एयरबेस पर प्रशिक्षण उड़ान के बाद लैंडिंग के दौरान तेजस जेट दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

एआई की दुनिया में भारत का डंका!

पीएम मोदी बोले- 'भारतीय युवाओं का सामर्थ्य पूरी मानवता के काम आएगा, दिल्ली घोषणा पत्र ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि वैश्विक मंच पर भारत की युवा प्रतिभाओं के सामर्थ्य को अब पूरी दुनिया ने पहचान लिया है। पिछले सप्ताह दिल्ली में संपन्न हुए इस शिखर सम्मेलन ने न केवल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की स्थिति मजबूत की, बल्कि एआई के भविष्य को लेकर एक नई वैश्विक दिशा भी तय की है।

पिछले सप्ताह नयी दिल्ली में आयोजित शिखर सम्मेलन का समापन 'एआई इम्पैक्ट' पर नयी दिल्ली घोषणा पत्र को अपनाने के साथ हुआ, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर वैश्विक सहयोग में मील का पत्थर है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''दिल्ली में हुए ऐतिहासिक एआई शिखर सम्मेलन में पूरी दुनिया ने भारत के सामर्थ्य की जमकर सराहना की है। इससे पता चलता है कि प्रौद्योगिकी को लेकर हमारे युवा साथियों की सोच पूरी मानवता के बहुत काम आने वाली है।''

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के घोषणापत्र पर 89 देशों एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर किए हैं जो आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई के लिए एआई का लाभ उठाने पर व्यापक वैश्विक सहमति को दर्शाता है। इस शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा, स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गी पॉहमेलॉ सहित दुनिया भर के नेता और कई प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) उपस्थित थे। कार्यक्रम में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम, क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेई प्लेनकोविक, सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति सेबेस्टियन पिल्लै, एस्टोनिया के राष्ट्रपति अलार कारिस और फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो भी शामिल हुए।

सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की विषय वस्तु पर आधारित इस शिखर सम्मेलन को भारत को एआई के क्षेत्र में एक अग्रणी देश के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में एक ऐसे भविष्य की कल्पना की गई जिसमें एआई मानवता को आगे बढ़ाए, समावेशी विकास को बढ़ावा दे और पृथ्वी के हितों की रक्षा करने में मदद करे।

गलत तरीके से बीमा उत्पाद बेचने के बजाय अपने मुख्य कारोबार पर ध्यान दें बैंक : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों को बीमा सहित वित्तीय उत्पादों की गलत तरीके से बिक्री पर कड़ा रुख अपनाते हुए सोमवार को कहा कि यह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत एक अपराध है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल को बजट के बाद संबोधित करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत में सीतारमण ने कहा, '' बैंकों को अपने मुख्य कारोबार पर ध्यान देना चाहिए। मैंने हमेशा से इस बात पर आपत्ति जतायी है कि आप उस बीमा को बेचने में अधिक समय लगा रहे हैं जिसकी आवश्यकता ही नहीं है और यह मामला आरबीआई और इरेडा के बीच फंसा रहा।''

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्राहक को भ्रामक जानकारी देकर उत्पाद की बिक्री पर दिशानिर्देशों का मसौदा 11 फरवरी को जारी किया था। इसमें कहा गया है कि यदि किसी ग्राहक को गलत तरीके से उत्पाद या सेवा दी जाती है, तो बैंक को ग्राहक द्वारा चुकाई गई पूरी राशि लौटानी होगी और स्वीकृत नीति के अनुसार हुए नुकसान की भरपाई भी करनी होगी। इस पर चार मार्च तक सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी गई हैं। आरबीआई ने कहा कि गलत तरीके से बिक्री पर कड़े नियम एक जुलाई से लागू होंगे।

सीतारमण ने कहा, ''मुझे खुशी है कि आरबीआई यह स्पष्ट मार्गदर्शन दे रहा है कि गलत तरीके से बिक्री क्यों

बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संदेश, बैंकों तक जाना चाहिए कि आप गलत बिक्री नहीं कर सकते। यह भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध है।'' उन्होंने कहा कि कई मामलों में बैंक ग्राहकों को बीमा उत्पाद खरीदने के लिए कहते हैं जबकि उनके पास पहले से आवश्यक बीमा होता है। आरबीआई यह सोचकर ऐसे मामलों की निगरानी नहीं कर रहा था कि यह बीमा नियामक के दायरे में आता है।

'जन आशीर्वाद यात्रा' से बीजेपी का मास्टरस्ट्रोक, अमित शाह करेंगे अगुवाई

नई दिल्ली। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य में अपने जनसंपर्क अभियान के तहत 'जन आशीर्वाद यात्रा' शुरू करेगी। यह यात्रा 28 फरवरी से शुरू होकर असम के सभी विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। इस पहल का उद्देश्य जमीनी स्तर पर नागरिकों के साथ पार्टी का जुड़ाव मजबूत करना और केंद्र सरकार एवं असम राज्य सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों और कल्याणकारी पहलों को उजागर करना है।

भाजपा के एक वरिष्ठ सूत्र के अनुसार कि यात्रा के विभिन्न चरणों में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के भाग लेने की उम्मीद है। इनमें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नितिन नबीन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के साथ-साथ केंद्र और राज्य इकाई के अन्य प्रमुख नेता शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि यात्रा के दौरान जनसभाएं, रोड शो और सामुदायिक संवाद आयोजित किए जाएंगे ताकि लोगों को बुनियादी ढांचे के विकास, कल्याणकारी योजनाओं, आर्थिक विकास और शासन सुधारों में हासिल की गई प्रमुख उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी जा सके। पार्टी प्रतिनिधि जनता से प्रतिक्रिया भी लेंगे और भविष्य की विकास प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी देंगे।

डीएमके चीफ विजय बोले- सभी ने मेरे खिलाफ हाथ मिला लिया, मुझे नीचा दिखाने वाले तमिलनाडु का अपमान कर रहे

चेन्नई। तमिलनाडु में जल्द विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इस बीच अब यहां सियासी राजनीति तेज हो रही है। सोमवार को तमिलगा वेट्ट्री कजागम के प्रमुख विजय ने कहा कि तमिलनाडु के लोगों के साथ अपने रिश्ते को जीव-जंत जैसा है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों में उनके खिलाफ लड़ने के लिए सभी पार्टियां एकजुट हो गई हैं।

कितनी संपत्ति है इसका ही जवाब देना पड़ता है

वेल्लोर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए टीवीके प्रमुख ने कहा कि आगामी चुनाव राज्य के लोगों के लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई होंगे। आगे उन्होंने कहा 'यह चुनाव 50 साल में एक बार होने वाले चुनाव जैसा है। इस चुनाव में सभी लोग विजय का विरोध करने के लिए एकजुट हो गए हैं। यह तमिलनाडु की जनता के लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग है। राजनीति में आने से पहले आपकी क्या संपत्ति थी? राजनीति में आने के बाद आपकी क्या संपत्ति है? हर राजनेता को इसका जवाब देना चाहिए। अगर आप मेरा अपमान करते हैं, तो यह जनता का अपमान करने जैसा है। विजय और जनता खून और मांस के बंधन से जुड़े हैं।'

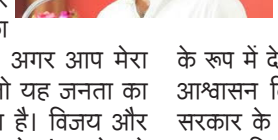

बुनियादी सुविधाओं की कमी की ओर इशारा किया

शासन व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कई पहाड़ी गांवों में बस सेवाओं और अस्पतालों सहित बुनियादी सुविधाओं की कमी की ओर इशारा किया। उन्होंने सत्ताधारी डीएमके सरकार के सुरक्षित रहो मॉडल की आलोचना करते हुए कहा कि महिलाएं वर्तमान में इसे हम सुरक्षित नहीं हैं मॉडल के रूप में देखती हैं। टीवीके प्रमुख ने आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी की सरकार के तहत कानून व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा और महिलाएं, पुरुष और बच्चे सुरक्षित जीवन जी सकेंगे। विजय ने डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार पर तमिलनाडु में नकली आदर्श प्रशासन चलाने का आरोप भी लगाया और उन्हें स्टैंड-अप कॉमेडी कहकर उनका मजाक भी उड़ाया।

विजय ही तमिलनाडु है के नारे पर दिया जोर

वेल्लोर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए विजय ने कहा कि राज्य में राजनीतिक लड़ाई टीवीके और डीएमके के बीच है। उन्होंने तमिलनाडु ही विजय है, विजय ही तमिलनाडु है के नारे पर जोर दिया।टीवीके नेता ने असम के पूर्व मुख्यमंत्री डीके बरोआ के प्रसिद्ध कथन का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था, 'भारत ही इंदिरा है, इंदिरा ही भारत है।

पूरे देश से राष्ट्रपति को ये पत्र भेजेंगे किसान, करेंगे यूएस डील रद्द करने की मांग

नई दिल्ली। संयुक्त किसान मोर्चा राष्ट्रपति को पत्र लिखकर भारत-अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील को रद्द करने की मांग करेगा। इसके अंतर्गत संसद सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन यानी नौ मार्च को पूरे देश के किसानों से राष्ट्रपति के नाम पत्र लिखवाया जाएगा और राज्यपालों या जिलाधिकारियों को सौंपा जाएगा। किसानों का आरोप है कि केंद्र सरकार ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील में किसानों के हितों से समझौता किया है।

किसानों का आरोप है कि केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल द्वारा की गई घोषणाएं इस आशंका को पुष्ट करती हैं कि सरकार अमेरिकी दबावों का सामना करने में असमर्थ है। संयुक्त किसान मोर्चा के अनुसार, अमेरिकी कृषि सचिव ब्रुक रोलिन्स ने कहा है कि यह समझौता अमेरिका को भारत के विशाल बाजार में अधिक कृषि उत्पाद निर्यात करने की अनुमति देगा, जिससे ग्रामीण अमेरिका में कीमतें बढ़ेंगी और नकदी प्रवाह होगा। किसानों के अनुसार, यह कथन बताने के लिए पर्याप्त है कि डील में भारतीय किसानों के हितों से

समझौता किया गया है।

क्या ये प्रतिबंध हटेंगे...?

किसानों का कहना है कि जब अभी डील फाइनल नहीं हुई है तो अमेरिकी मंत्री-अधिकारी इस तरह के दावे कैसे कर रहे हैं। उनके अनुसार, इसका सीधा सा आशय है कि सरकार ने समझौते पर मौखिक स्वीकृति दे दी है। किसान नेताओं का आरोप है कि केंद्र सरकार ने अमेरिका से सभी 'गैर शुल्क बाधाओं' को समाप्त करने पर सहमति जताई है।

गैर शुल्क का आशय है कि इसमें 'पैसे की लेनदेन के अलावा' अमेरिकी उत्पादों से 'अन्य सभी प्रतिबंध' हटा लिए जाएंगे। किसानों का कहना है कि अब तक अमेरिकी गायों को मांस खिलाने के कारण उनका भारतीय बाजार में प्रवेश बंद था, लेकिन गैर शुल्क प्रावधान हटाने पर सहमत होने के कारण यह प्रतिबंध हटाया जा सकता है।

घरेलू कपास की कीमतों में गिरावट का आरोप

किसानों का आरोप है कि इस डील के बाद भारतीय बाजार में कपास कीमतों में भारी गिरावट हुई है। भारत कपास उत्पादन में पहले नंबर पर है, लेकिन किसानों के अनुसार, केंद्र ने कपास आयात पर टैक्स घटा दिये जिसके कारण कपास की कीमतों में गिरावट आ गई और किसानों को इसका नुकसान उठाना पड़ रहा है।

भारत और अमेरिका के किसानों में तुलना सही नहीं

संयुक्त किसान मोर्चा के अनुसार, अमेरिका में 18.65 लाख किसान हैं, जबकि भारत में 11.10 करोड़ किसान परिवार अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं। अमेरिका में औसत खेत का आकार 469 एकड़ है। इसकी तुलना में भारत में औसत खेत का आकार लगभग 2.67 एकड़ है और 86 प्रतिशत किसानों के पास 5 एकड़ से कम जमीन है। अमेरिका में प्रति किसान औसत सब्सिडी लगभग 23,735 डॉलर है, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 21,56,000 रुपये के बराबर है। जबकि भारत अपने किसानों को नाम मात्र की सब्सिडी देता है। ऐसे में दोनों देशों के किसानों में कोई तुलना सही नहीं होगी।

राहुल गांधी ने वीडियो जारी पीएम पर साधा निशाना

'एपस्टीन फाइल्स में आपका नाम सामने आना शर्म की बात'

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को एक वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और उनके मंत्रियों व मित्रों के नाम एपस्टीन फाइल्स में सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि यह शर्म की बात है।

राहुल गांधी ने क्या कहा?

राहुल गांधी ने एक्स पर वीडियो जारी किया। इसके साथ ही कैप्शन में उन्होंने लिखा- मोदी जी, आप शर्म की बात करते हो? शर्म की बात मैं आपको बताता हूं। एपस्टीन फाइल्स में आपका, आपके मंत्री और आपके मित्र का साथ में नाम आना, ऐसे घिनौने अपराधी के साथ आपका नाम जुड़ा होना- ये शर्म की बात है। आपने अमेरिका के साथ जो व्यापार सौदा किया है, जिसमें आपने देश को बेच दिया - ये शर्म की बात है। हमारे देश का डेटा दे दिया। किसानों को खत्म कर दिया। कपड़ा उद्योग बर्बाद कर दिया - ये शर्म की बात है।

उन्होंने आगे लिखा, पूरा देश जानता है कि (कारोबारी गौतम) अदाणी पर अमेरिका में चल रहे मुकदमे ने आपकी रातों की नींद उड़ा रखी है, क्योंकि वो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आपके वित्तीय आर्किटेक्चर पर मुकदमा है। 14 महीनों से उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई - ये शर्म की बात है। मोदी जी, आप अपने मित्रों अनिल अंबानी, अदाणी और अपने लिए जो उचित समझें, वो कीजिए। मैं और कांग्रेस पार्टी के बब्बर शेर देश की रक्षा करते रहेंगे। एक इंच पीछे नहीं हटेंगे।

बिटकॉइन-पाई नेटवर्क में बड़ी गिरावट 24 घंटे में 7.26 लाख करोड़ स्वाहा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सोमवार को जहां भारतीय शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली, वहीं क्रिप्टोकरेंसी बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे में ग्लोबल क्रिप्टो मार्केट कैप करीब 4इ गिरकर 2.25 ट्रिलियन डॉलर पर आ गया। इस दौरान निवेशकों को लगभग 0.08 ट्रिलियन डॉलर (करीब 7.26 लाख करोड़ रुपए) का नुकसान हुआ।

गिरावट की मार प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी पर भी पड़ी। बिटकॉइन 5इ टूटकर 65, 000 डॉलर के नीचे चला गया। वहीं 'भविष्य का बिटकॉइन' कहे जाने वाले पाई नेटवर्क कॉइन में 7इ की गिरावट दर्ज की गई।

दोपहर 12:30 बजे के आसपास बिटकॉइन 3इ से अधिक की गिरावट के साथ 65, 790 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। इथेरियम करीब 5इ टूटकर 1, 880 डॉलर पर पहुंच गया, जबकि रिपल 4इ गिरकर 1.36 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था। पाई नेटवर्क भी 5इ से अधिक फिसलकर 0.1580 डॉलर पर आ गया। क्रिप्टो बाजार में कमजोरी की मुख्य वजह वैश्विक अनिश्चितता रही। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा टैरिफ रद्द किए जाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने सप्ताहांत में लगभग सभी देशों पर 15इ फ्लैट टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी। एशियाई बाजारों ने इस फैसले पर नकारात्मक प्रतिक्रिया दी, जिसका असर क्रिप्टो पर भी पड़ा। विशेषज्ञों के अनुसार, गिरावट की वजह सिर्फ टैरिफ नहीं है। क्रिप्टो ईटीएफ से लगातार हो रहे आउटफ्लो ने भी बाजार पर दबाव बढ़ाया है।

सरकार की तैयारीः जलशक्ति मंत्री बोले- गांवों में जलसंकट न हो, इंजीनियर रोज 10 प्रधानों से लें रिपोर्ट

नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में गांवों में पेयजल की किल्लत न हो, इसके लिए राज्य सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में सोमवार को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल निगम ग्रामीण मुख्यालय में जल जीवन मिशन और राज्य ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के तहत चल रही परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कहीं भी जलसंकट की स्थिति न बनने पाए, इसके लिए अभी से आवश्यक कदम उठाए जाएं।

मंत्री ने कहा कि प्रत्येक इंजीनियर रोजाना कम से कम 10 ग्राम प्रधानों से संवाद कर जलापूर्ति की स्थिति की जानकारी लें और किसी भी प्रकार की समस्या सामने आने पर तत्काल समाधान सुनिश्चित करें, ताकि ग्रामीणों को परेशानी न हो।

समीक्षा बैठक में सड़क रिस्टोरेशन कार्यों को तेज करने के निर्देश भी दिए गए। मंत्री ने कहा कि जहां पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़कें खोदी गई हैं, वहां मार्च के अंत तक सभी रिस्टोरेशन कार्य पूरे कर लिए जाएं। साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर जाकर निरीक्षण करने और किसी भी कमी पर कार्यदायी संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर मुख्य सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव भी मौजूद रहे।

जनप्रतिनिधियों व जनता से संवाद पर जोर

मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनप्रतिनिधियों को योजनाओं की प्रगति की नियमित जानकारी दी जाए और इसमें किसी तरह का संकोच न किया जाए। उन्होंने मीडिया और आम जनता से भी संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि योजनाओं की पारदर्शिता बनी रहे।

'हिंद-दी-चादर' समूहगान कार्यक्रम की 'बेस्ट ऑफ इंडिया रिकॉर्ड' में दर्ज ऐतिहासिक उपलब्धि

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी समागम के अवसर पर आयोजित 'हिंद-दी-चादर' समूहगान कार्यक्रम ने एक नया इतिहास रचते हुए 'बेस्ट ऑफ इंडिया रिकॉर्ड' में अपना स्थान बनाया है। इस अवसर पर कोकण विभाग की लगभग 20 हजार स्कूलों के 51 लाख विद्यार्थियों ने एक साथ सुप्रसिद्ध गायक श्री सतिंदर सरताज द्वारा गाए गए 'हिंद-दी-चादर' गीत का सामूहिक गायन किया। इस ऐतिहासिक उपक्रम में नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र की 435 स्कूलों से 2,01,925 विद्यार्थियों तथा 7,723 शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने सहभाग दर्ज कराया, जिनमें नवी मुंबई महानगरपालिका की 80 स्कूलों के 33,306 विद्यार्थी और 1,256 शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी शामिल थे। मुख्य कार्यक्रम नेरुल सेक्टर 19 स्थित गुरु गोविंदसिंह एजुकेशन अकैडमी में आयोजित किया गया, जिसमें नवी मुंबई की महापौर श्रीमती सुजाता पाटिल, उपमहापौर श्री दशरथ भगत, विभागीय आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी, नवी मुंबई महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे, प्रशासन सह-आयुक्त श्री विजय म्हसाल, नगरसेवक श्री कुलदीप

सिंह सूरी, कोकण विभाग के सूचना उपनिदेशक श्री मनोज सानप, सहायक आयुक्त डॉ. सागर घोलप, शिक्षा अधिकारी अशोक कडूस, सहायक आयुक्त दीपाली दिवेकर सहित श्री गुरुबचन सिंह सिंघल, श्री जसपाल सिंह नागरा, श्री जसविंदर सिंह, प्रधानाचार्या श्रीमती अमरजीत कौर सेनी तथा वरिष्ठ पत्रकार बी.बी. नायक की प्रमुख उपस्थिति रही। इस अवसर पर महापौर श्रीमती सुजाता पाटिल ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान केवल हिंदू या सिख समाज के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है और मुख्यमंत्री माननीय श्री देवेंद्र फडणवीस की संकल्पना से खारघर सेक्टर 29 में होने वाले भव्य समागम में देश-विदेश से 15 से 20 लाख श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। कोकण विभागीय आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी ने गुरु तेग बहादुर जी के जीवन को साहस, करुणा, समानता और अन्याय के विरुद्ध निर्भीक संघर्ष का आदर्श बताते हुए 51 लाख विद्यार्थियों द्वारा एक सुर में गाए गए इस गीत को सामाजिक एकता को मजबूत करने वाला बताया और सभी सहभागी विद्यार्थियों व शिक्षकों का अभिनंदन किया। महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे ने खारघर में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रशासन पूरी तरह सज्ज है और ऐसे संस्कारक्षम कार्यक्रम बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और देश के सशक्त निर्माण में मार्गदर्शक सिद्ध होंगे। कार्यक्रम के प्रारंभ में सुबह 9.00 बजे विद्यार्थियों ने अत्यंत अनुशासित ढंग से 'हिंद-दी-चादर' गीत का समूहगान कर इस विश्वविक्रमी उपलब्धि में अपना योगदान दिया, वहीं अतिरिक्त आयुक्त श्री सुनील पवार, डॉ. राहुल गेठे सहित अन्य विभागप्रमुखों और अधिकारियों ने विभिन्न स्कूलों में उपस्थित रहकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में सक्रिय सहभाग लिया।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका सुधार समिति की अध्यक्ष -संध्या विपुल दोशी (साकरे) निर्विरोध निर्वाचित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बृहन्मुंबई महानगरपालिका सुधार समिति के अध्यक्ष पद के लिए आज (23 फ़रवरी 2026) श्रीमती संध्या विपुल दोशी (साकरे) का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। इस निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा पीठासीन अधिकारी एवं महापौर श्रीमती ऋतु तावड़े द्वारा की गई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के वर्ष 2025-26 के आम चुनाव के बाद, सोमवार दिनांक 16 फ़रवरी 2026 को आयोजित महानगरपालिका की विशेष सभा में सुधार समिति पर 26 नगरसेवकों की नियुक्ति की गई थी। इसी वैधानिक समिति के अध्यक्ष पद के चुनाव हेतु आज (23 फ़रवरी 2026) प्रातः 11.00 बजे एक विशेष बैठक आयोजित की गई।

संशोधन

पीठासीन अधिकारी एवं महापौर श्रीमती ऋतु तावड़े ने यह घोषणा की कि समिति के अध्यक्ष पद के लिए केवल श्रीमती संध्या विपुल दोशी (साकरे) का ही नामांकन प्राप्त हुआ था, जिसके कारण उनका निर्विरोध निर्वाचन हुआ।

इस अवसर पर सुधार समिति के सभी सदस्य, संयुक्त आयुक्त (सुधार) श्री संजोग कांबळे, महानगरपालिका सचिव श्रीमती मंजिरी देशपांडे सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

नवी मुंबई महानगरपालिका : 12 परिवहन समिति सदस्यों की नियुक्ति

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम की धारा 25(2) के अंतर्गत, प्रशासन अथवा परिवहन क्षेत्र का अनुभव रखने वाले तथा अभियांत्रिकी, औद्योगिक, वाणिज्यिक, वित्तीय या श्रम विषयक मामलों में जिनकी क्षमता सिद्ध हुई हो– ऐसी (पालिका सदस्य हों या न हों) व्यक्तियों में से परिवहन समिति के लिए 12 सदस्यों की नियुक्ति का प्रस्ताव आज महासभा के पटल पर प्रस्तुत किया गया।

इस प्रस्ताव के अनुसार परिवहन समिति में निम्नलिखित मान्य व्यक्तियों का चयन किया गया है– राहुल चंद्रकांत शिंदे, राजेश हौसला राय, विकास कुंडलिक झंझाड़, शीतल श्रीपत भोईर, रोशन रामचंद्र पाटिल, श्रीमती राजश्री नारायण कातकरी, विनोद तुलशीराम म्हात्रे, यशपाल सिद्राम ओव्हाळ, कुणाल प्रकाश महाडिक, हनुमंत कोंडीबा रोडे, अभिजीत प्रकाश पेडणेकर तथा तीर्था मारुति सकपाळ।

नियुक्त सदस्यों को महापौर सुजाता पाटिल, उपमहापौर दशरथ भगत एवं आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी गई।

पश्चिम रेलवे के 12 कर्मचारियों को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार से किया गया सम्मानित

मुंबई सेंट्रल, वडोदरा, अहमदाबाद, राजकोट, भावनगर एवं रतलाम मंडलों के कर्मचारियों को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार प्रदान किया गया

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक (प्रभारी) प्रदीप कुमार द्वारा जनवरी 2026 के लिए 12 कर्मचारियों को महाप्रबंधक का 'मैन ऑफ द मंथ' संरक्षा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान पश्चिम रेलवे मुख्यालय, मुंबई में आयोजित एक समारोह में प्रदान किया गया। इन कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सतर्कता, कर्तव्यनिष्ठा एवं समर्पण के लिए सम्मानित किया गया, जिससे संभावित अप्रिय घटनाओं को रोकने तथा सुरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान मिला। सम्मानित कर्मचारियों में भावनगर मंडल से तीन, मुंबई सेंट्रल, अहमदाबाद, वडोदरा एवं रतलाम मंडलों से दो-दो तथा राजकोट मंडल से एक कर्मचारी शामिल थे।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुंबई सेंट्रल मंडल के दो कर्मचारियों को उनकी सतर्कता एवं त्वरित कार्रवाई के लिए सम्मानित किया गया। मुंबई सेंट्रल मंडल में कार्यरत वाणिज्य लिपिक सह टिकट परीक्षक श्री नीरज पांडे को गोल्डन टेम्पल मेल में कोच-मैनिंग ड्यूटी के दौरान उनकी असाधारण सतर्कता के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने ब्रेक बाइंडिंग के कारण एक कोच

के पहियों से धुआँ और आग निकलते हुए देखा तथा तुरंत संबंधित नियंत्रण अधिकारियों को सूचित किया। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अलार्म चेन खींचकर ट्रेन को रोका और अग्निशामक यंत्र की सहायता से आग बुझाकर संभावित गंभीर घटना को टाल दिया।

मुंबई सेंट्रल मंडल में तकनीशियन के पद पर कार्यरत श्री संजय वी. समुद्रे को भी उनकी सतर्कता के लिए सम्मानित किया गया। नंदुरबार स्टेशन पर एक ट्रेन की रोलिंग-इन जांच के दौरान उन्होंने एक वैगन के बॉडी में गंभीर वेल्डिंग दोष एवं असामान्य विस्तार पाया, जो एक बड़ा संरक्षा जोखिम था। उन्होंने तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित किया तथा दोषयुक्त वैगन को 'सिक' चिन्हित कर अलग करवाया, जिससे संभावित दुर्घटना को टाला जा सका और सुरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित हुआ।अहमदाबाद, वडोदरा, रतलाम, राजकोट एवं भावनगर मंडलों के सम्मानित कर्मचारियों को भी उनकी असाधारण सूझबूझ, सूक्ष्म निरीक्षण क्षमता एवं त्वरित कार्रवाई के लिए सम्मानित किया गया।

इन कर्मचारियों ने रेल फ्रैक्चर, हॉट एक्सल, लटकते भाग, ओएचई में असामान्यता, ट्रैक में दोष तथा उपकरणों में गड़बड़ी जैसी गंभीर संरक्षा संबंधी कमियों का समय रहते पता लगाया। इनके सामूहिक प्रयासों से पश्चिम रेलवे में उच्च स्तर की संरक्षा बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान मिला। पश्चिम रेलवे सभी सम्मानित कर्मचारियों के कर्तव्य के प्रति अनुकरणीय समर्पण एवं सुदृढ़ सुरक्षा चेतना की सराहना करता है। इनके कार्यों से न केवल संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सका, बल्कि सुरक्षित एवं विश्वसनीय रेल परिचालन के प्रति पश्चिम रेलवे की अटूट प्रतिबद्धता भी और सुदृढ़ हुई है। साथ ही, ये कर्मचारी अन्य रेलकर्मियों के लिए प्रेरणास्रोत बने हैं।

नवी मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय में संत गाडगे बाबा जयंती मनाई गई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

स्वच्छता, सामाजिक न्याय एवं सामाजिक सुधारों पर विशेष बल देने वाले आधुनिक संत संत गाडगे बाबा की जयंती के अवसर पर नवी मुंबई महानगरपालिका की ओर से महानगरपालिका मुख्यालय स्थित एम्फीथिएटर में बालशास्त्री जांभेकर की प्रतिमा पर महापौर श्रीमती सुजाता पाटिल के हाथों प्रतिमा पूजन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर उपमहापौर श्री दशरथ भगत, महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे, अतिरिक्त आयुक्त श्री सुनील पवार एवं डॉ. राहुल गेथे, नगरसेवक श्रीमती माधुरी सुतार, श्रीमती सायली शिंदे, श्रीमती शैला पाटिल, श्रीमती प्रीति भगत, प्रशासन विभाग के उपायुक्त श्री किसानराव पालांडे, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी श्री सत्यवान उबाले, अतिक्रमण विभाग के उपायुक्त डॉ. कैलास गायकवाड़, संपत्ति कर विभाग के उपायुक्त श्री अमोल पालवे, अतिरिक्त शहर अभियंता श्री अरविंद शिंदे, सहायक नगर नियोजन संचालक श्री सोमनाथ केकन, मुख्य विधि अधिकारी श्री अभय जाधव, कार्यकारी अभियंता श्री तानाजी शिंदे सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

होली पर्व के दौरान विशेष ट्रेनों की सेवाएँ जारी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने एसएमवीटी बेंगलुरु-बिदर तथा बेंगलुरु कैंटोनमेंट-कलबुर्गी विशेष ट्रेनों की सेवाएँ आगे भी जारी रखने का निर्णय लिया है।

एसएमवीटी बेंगलुरु-बिदर द्वि-साप्ताहिक विशेष ट्रेन (कुल 18 फेरे) के अंतर्गत गाड़ी संख्या 06539 एसएमवीटी बेंगलुरु-बिदर द्वि-साप्ताहिक विशेष, जो पहले 27.02.2026 तक चलने हेतु अधिसूचित थी, अब प्रत्येक शुक्रवार एवं रविवार को 29.03.2026 तक संचालित की जाएगी, जिसके कुल 9 फेरे होंगे। वहीं गाड़ी संख्या 06540 बिदर-एसएमवीटी बेंगलुरु द्वि-साप्ताहिक विशेष, जो पहले 28.02.2026 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब प्रत्येक शनिवार एवं सोमवार को 30.03.2026 तक चलेगी, इसके भी कुल 9 फेरे होंगे।

इसी प्रकार बेंगलुरु कैंटोनमेंट-कलबुर्गी साप्ताहिक विशेष ट्रेन (कुल 8 फेरे) के अंतर्गत गाड़ी संख्या 06207 बेंगलुरु कैंटोनमेंट-कलबुर्गी विशेष, जो पहले 28.02.2026 तक अधिसूचित थी, अब प्रत्येक शनिवार को 28.03.2026 तक चलाई जाएगी, जिसके कुल 4 फेरे होंगे। गाड़ी संख्या 06208 कलबुर्गी-बेंगलुरु कैंटोनमेंट विशेष, जो पहले 01.03.2026 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब प्रत्येक रविवार को 29.03.2026 तक संचालित की जाएगी, इसके भी कुल 4 फेरे होंगे।

इन सभी विशेष ट्रेनों की कोच संरचना (कोच कंपोज़ीशन) एवं ठहराव (स्टॉपेज) में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

आरक्षण एवं बुकिंग व्यवस्था विशेष ट्रेनों के जारी फेरे विशेष शुल्क पर सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों तथा आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेंगे। अनारक्षित कोचों की बुकिंग स्टेशन काउंटरों एवं रेलवन (RailOne) ऐप के माध्यम से की जा सकती है। यात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने हेतु वैध टिकट के साथ ही यात्रा करें। ट्रेनों की विस्तृत समय-सारिणी एवं ठहराव संबंधी जानकारी के लिए enquiry.indianrail.gov.in वेबसाइट देखें अथवा रेलवन ऐप / एनटीईएस ऐप का उपयोग करें।

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (निर्माण), पश्चिम रेलवे, रतलाम द्वारा निविदा क्रमांक S&T/C/RTM/117/2025-26, दिनांक 17.02.2026 के अंतर्गत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नामः** रतलाम मंडल के अंतर्गत दाहोद-इंदौर नई ब्रॉड गेज लाइन कार्य के संदर्भ में धारसारदारपुर सेक्शन में नए हॉट स्टैंडबाय इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, प्रोग्रामिंग, परीक्षण एवं कमीशनिंग, साथ ही विभिन्न इनडोर एवं आउटडोर सिग्नलिंग सिस्टम एवं उपकरणों की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग का कार्य। **कार्य की अनुमानित लागतः** रु. 14,04,26,987/- **जमानत राशि (अर्नेस्ट मनी) :** रु. 8,52,100/- **निविदा प्रारंभ तिथि :** दिनांक 05.03.2026 **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** दिनांक 19.03.2026, अपराह्न 15:00 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। 1142

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

कवर शेड का विस्तार एवं संबद्ध सुविधाएँ

मंडल रेल प्रबंधक (पश्चिम), पश्चिम रेलवे, छठी मंज़िल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400008 द्वारा ई-निविदा सूचना क्रमांक BCT/25-26/317, दिनांक 17/02/2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य एवं स्थानः** मुंबई सेंट्रल (सीएफओ यार्ड) में पिट लाइन क्रमांक 5 एवं 6 का विस्तार (60 मीटर तक) कवर शेड सहित तथा अन्य संबद्ध सुविधाओं का निर्माण (संयुक्त निविदा)। **कार्य की अनुमानित लागतः** रु. 9,34,30,532.59 **जमानत राशि (ईएमडी):** रु. 6,17,200/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** दिनांक 17.03.2026, अपराह्न 15:00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथि एवं समयः** दिनांक 17.03.2026, अपराह्न 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 1144

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

दिव्यांगजनों हेतु विभिन्न स्टेशनों पर सुविधाएँ उपलब्ध कराना

मंडल रेल प्रबंधक (पश्चिम), पश्चिम रेलवे, छठी मंज़िल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400008 द्वारा ई-निविदा सूचना क्रमांक BCT/25-26/320, दिनांक 18/02/2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य एवं स्थानः** जोरावासन-सूरत खंड के अंतर्गत डीईएन/सी/मुंबई सेंट्रल के अधीन विभिन्न स्टेशनों पर दिव्यांगजनों हेतु रैंप, टैक्टाइल टाइल्स, पार्किंग स्थल, फिसलन-रोधी सतह आदि सुविधाएँ उपलब्ध कराने का कार्य। **कार्य की अनुमानित लागतः** रु. 3,01,18,640.14 **जमानत राशि (ईएमडी):** रु. 3,00,600/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** दिनांक 17.03.2026, अपराह्न 15:00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथि एवं समयः** दिनांक 17.03.2026, अपराह्न 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 1143

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विविध कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (पश्चिम), पश्चिम रेलवे, छठी मंज़िल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400008 द्वारा निम्नलिखित ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं– **क्रमांक 1 ई-निविदा सूचना क्रमांकः** BCT/25-26/318 दिनांकः 17/02/2026 **कार्य एवं स्थानः** (1) मुंबई सेंट्रल (मुख्य): एसएसई (डब्ल्यू-I) मुंबई सेंट्रल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत इमारतों की छत (टेरेस स्लैब) की प्री-मानसून सफाई तथा मानसून अवधि के दौरान सीओपी के वैली गटर की सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने का कार्य। (2) मरीन लाइंस से खारः एडीईएन (डब्ल्यू/एस) बांद्रा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत इमारतों की छत (टेरेस स्लैब) की प्री-मानसून सफाई तथा मानसून अवधि के दौरान सीओपी के वैली गटर की सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने का कार्य। (3) मुंबई सेंट्रल से प्रभादेवीः एडीईएन (एस्ट/एस) लोअर परेल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत कवरिंग शेड के वैली गटर एवं इमारतों की छत (टेरेस स्लैब) की प्री-मानसून सफाई तथा मानसून अवधि के दौरान स्वच्छता बनाए रखने का कार्य, जिसमें मुंबई सेंट्रल कारशेड, महालक्ष्मी वर्कशॉप, लोअर परेल वर्कशॉप एवं वडाला रेलवे कॉलोनी शामिल हैं। **कार्य की लागतः**रु . 29,44,916.04 **जमानत राशि (ईएमडी):** रु. 58,900/- **क्रमांक 2** ई-निविदा सूचना क्रमांकः BCT/25-26/319 दिनांकः 17/02/2026 **कार्य एवं स्थानः** महालक्ष्मी - 12 यूनिट टाइप-VI क्वार्टर, 23 यूनिट टाइप–V क्वार्टर तथा 03 यूनिट ट्रांजिट क्वार्टर का निर्माण (संयुक्त निविदा)। **कार्य की अनुमानित लागतः** रु. 23,38,30,072.36 **जमानत राशि (ईएमडी):** रु. 13,19,200/- दोनों निविदाओं हेतु महत्वपूर्ण तिथियाँ **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः**दिनांक 17.03.2026, अपराह्न 15:00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथि एवं समयः** दिनांक 17.03.2026, अपराह्न 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 1145

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

निर्माण कार्य

पश्चिम रेलवे, इंदौर (मध्य प्रदेश) के उप मुख्य अभियंता (निर्माण)-I द्वारा ई-निविदा क्रमांक IND/UJN/SIMHASTHA/02 आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नामः** सिंहस्थ-2028 के अंतर्गत नई उज्जैन बायपास लाइन के लिए नैखेरी स्टेशन (अपवर्जित) से चिंतामन गणेश तक ब्रॉड गेज लाइन के निर्माण से संबंधित कार्य, जिसमें फॉर्मेशन में एम्बैंकमेंट/कटिंग में अर्थवर्क एवं ब्लैंकेटिंग, यार्ड, पुल अप्रोच सहित कार्य, रेलवे द्वारा स्वीकृत डिजाइन एवं ड्राइंग के अनुसार प्रमुख/लघु पुल, रोड अंडर ब्रिज का सब-स्ट्रक्चर एवं सुपर-स्ट्रक्चर निर्माण, रिटेनिंग वॉल, टो वॉल, डायवर्जन ड्रेन का निर्माण, यात्री सुविधाओं का निर्माण, फुट ओवर ब्रिज, यार्ड ड्रेनेज, मशीन क्रश्ड स्टोन बैलास्ट की आपूर्ति एवं बिछाना, मुख्य लाइन, लूप लाइन तथा प्वाइंट एवं क्रॉसिंग सहित बीजी ट्रैक की बिछाने एवं लिंकिंग, पी-वे सामग्री का परिवहन, रेल वेल्डिंग तथा अन्य सहायक एवं विविध कार्य शामिल हैं। **अनुमानित लागतः** रु. 87,93,03,376.92 **जमानत राशि (ईएमडी):** रु. 45,46,500/- **निविदा जमा करने की तिथि एवं समयः** दिनांक 17.03.2026, अपराह्न 15:00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथि एवं समयः** दिनांक 17.03.2026, अपराह्न 15:30 बजे **निविदा विवरणः** निविदा से संबंधित संपूर्ण विवरण एवं पात्रता मानदंड ई-निविदा पोर्टल www.ireps.gov.in पर तथा उप मुख्य अभियंता (निर्माण)-I, पश्चिम रेलवे, इंदौर, प्लेटफार्म क्रमांक 1 के सामने स्थित कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध हैं। 1141

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

मध्य रेल भुसावल मंडल में आपातकालीन चिकित्सा कक्षः यात्रियों की चिकित्सा आपात स्थितियों के प्रति प्रतिक्रिया को मजबूत बनाना

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल भुसावल मंडल ने अपने यात्रियों की सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय किए हैं। स्टेशनों पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष (ईएमआर) स्थापित करना आपात स्थितियों में चिकित्सा सहायता प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका प्राथमिक उद्देश्य दुर्घटनाओं, बीमारियों या अन्य घटनाओं के कारण चिकित्सा आपात स्थिति का सामना करने वाले वास्तविक यात्रियों, जिनमें रेलवे कर्मचारी भी शामिल हैं, को प्राथमिक उपचार प्रदान करना है।

भुसावल मंडल ने तत्काल चिकित्सीय सहायता प्रदान करने के लिए नासिक रोड, मनमाड, जलगांव, भुसावल, शेगांव

तथा अकोला रेलवे स्टेशन स्टेशनों पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष (ईएमआर) के स्थापित किए हैं। इन स्टेशनों के लिए अनुबंध दिए जा चुके हैं और यह कार्यरत हैं।

इन आपातकालीन चिकित्सा केंद्रों (ईएमआर) में बुनियादी जीवन रक्षक उपकरण, ऑक्सीजन आपूर्ति, स्ट्रेचर और दवाइयां उपलब्ध हैं, और यहां योग्य डॉक्टरों और प्रशिक्षित पैरामेडिकल कर्मियों द्वारा चौबीसों घंटे सेवाएं प्रदान की जाती हैं। पोर्टेबल प्रयोगशाला, मेडिकल स्टोर और एम्बुलेंस सुविधा भी उपलब्ध है। इस पहल का उद्देश्य चिकित्सा आपात स्थितियों के दौरान प्रतिक्रिया समय को कम करना और गोल्डन आवर के दौरान महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करना है।

इस सक्रिय दृष्टिकोण के साथ, मध्य रेल भुसावल मंडल यात्रियों की सुरक्षा और कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, और सभी के लिए एक सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करता है।

'मराठी माणूस की ताकत दिखाएंगे', अजित पवार की मौत के मामले में क्यों भड़के रोहित पवार?

मुंबई। शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के विधायक रोहित पवार ने सोमवार को कहा कि अगर दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मृत्यु की सतही जांच की गई तो 'मराठी माणूस' (महाराष्ट्र के लोग) अपनी ताकत दिखाएंगे। उन्होंने पिछले महीने जांच में हुई प्रगति पर सवाल उठाया और बताया कि सीबीआई पहले से ही मामलों के बोझ तले दबी हुई है।

विधानसभा भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए रोहित पवार ने कहा कि अमोल मितकारी, रूपाली थोम्बारे और कई जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं जैसे लोग लगातार अजित पवार की मौत पर सवाल उठा रहे हैं।

मामले की सामने आईं दो सतही रिपोर्टें :रोहित पवार

संबंधित पायलट के बारे में उन्होंने बताया कि विस्तृत चर्चा हो चुकी है। रोहित पवार ने कहा, 'मैं एक पारदर्शी जांच चाहता हूं। मामला सीबीआई को सौंप दिया गया है, लेकिन जांचकर्ताओं ने पिछले महीने में क्या-क्या जांच की है? क्या उन्होंने सीसीटीवी फुटेज जब्त किया है? क्या आवश्यक आपराधिक जांच की गई है? गहन जांच बेहद जरूरी है। अब तक सिर्फ दो सतही रिपोर्टें ही सौंपी गई हैं।'

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि उनके पास सत्ता में बैठे लोगों और वीएसआर (विमानन कंपनी) के बीच संबंधों के बारे में सबूत हैं, जिनमें मंत्रियों के साथ उनके संबंध भी शामिल हैं। उन्होंने सीबीआई जांच का स्वागत किया, लेकिन साथ ही संदेह भी व्यक्त किया और कहा कि वर्तमान में 7,075 मामले अनसुलझे हैं।

सीएम फडणवीस से मुलाकात करेंगे एनसीपी (एसपी) नेता

उन्होंने इसकी तुलना 'मामलों को ठंडे बस्ते में डालने' से की और इस बात पर जोर दिया कि सीबीआई को जांच पूरी करने के लिए एक निश्चित समय सीमा निर्धारित की जानी चाहिए। रोहित पवार ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री के लिए एक औपचारिक पत्र तैयार कर लिया है और सबूतों के साथ इसे सौंपने के लिए उनसे मिलने का समय मांगेंगे।

उन्होंने कहा, 'रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और डीजीसीए को भेजी जा चुकी है। 70 प्रतिशत जानकारी अभी भी उनके द्वारा रोकी गई है। हम राजनीति नहीं करना चाहते; हमारी केवल यही मांग है कि जांच ठीक से की जाए।'

रोहित पवार बोले- मेरे पास सबूत हैं

रोहित पवार ने ब्लैक बॉक्स को हुए नुकसान की सीमा के संबंध में सबूत होने का दावा किया। उन्होंने दोहराया कि अगर जांच महज औपचारिकता साबित हुई तो मराठी जनता चुप नहीं बैठेगी। राज्यसभा चुनावों के बारे में रोहित पवार ने शरद पवार के 60 साल के राजनीतिक करियर पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका अनुभव राज्य और देश दोनों के लिए फायदेमंद है।

उन्होंने बताया कि अजित पवार ने भी पहले यही इच्छा जताई थी और संजय राउत जैसे एमवीए नेताओं ने भी शरद पवार के राज्यसभा जाने की ऐसी ही इच्छा व्यक्त की है। उन्होंने आगे कहा, 'शरद पवार के मुंबई पहुंचने और एमवीए नेताओं से इस मामले पर चर्चा करने के बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा।'

मुंबई में शोक सभा का आयोजन

दिवंगत नेता अजित पवार को श्रद्धांजलि देने के लिए सोमवार को मुंबई में एक शोक सभा आयोजित की गई। इसमें मुकेश अंबानी, गौतम अडानी जैसे शीर्ष उद्योगपतियों से लेकर विचारधाराओं और दलों से परे विभिन्न राजनीतिक नेताओं सहित कई प्रमुख हस्तियों ने शोक सभा में अजित पवार को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने दिवंगत नेता को उत्कृष्ट प्रशासनिक कौशल से संपन्न 'कर्मठ व्यक्ति' के रूप में याद किया।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के रूप में रिकॉर्ड छह बार सेवा देने वाले और राजनीतिक क्षेत्र में व्यापक मित्रता रखने के लिए प्रशंसित पवार की 28 जनवरी को पुणे के बारामती हवाई अड्डे के पास एक विमान दुर्घटना में चार अन्य लोगों के साथ मृत्यु हो गई। संयोगवश कई वक्ताओं ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विमान दुर्घटना की गहन जांच की मांग भी की। यह मांग दुर्भाग्यपूर्ण लीयरजेट 45 विमान के 'ब्लैक बॉक्स' के क्षतिग्रस्त होने की खबरों के बीच आई है।

कार्यक्रम में अलग-अलग क्षेत्रों की हस्तियां हुईं शामिल

एनएससीआई डोम में आयोजित इस कार्यक्रम में भाग लेने वालों में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई, महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, विधान परिषद अध्यक्ष राम शिंदे और शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे शामिल थे।

अन्य उपस्थित लोगों में एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले, उनके पति सदानंद सुले के साथ दिवंगत नेता की पत्नी और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और उनके बच्चे, उनके भाई श्रीनिवास और राजेंद्र शामिल थे। प्रसिद्ध गायक सुरेश वाडकर ने भक्ति गीत प्रस्तुत किए।

स्वर्गीय उपमुख्यमंत्री अजित पवार का कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी- राज्यपाल आचार्य देवव्रत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। स्वर्गीय उपमुख्यमंत्री अजित पवार के व्यक्तित्व की सराहना करते हुए राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि युवाओं, किसानों और आम नागरिकों के कल्याण के लिए उन्होंने तीन दशकों से अधिक समय तक जो कार्य किए, उनकी गूंज आज भी राज्य के हर क्षेत्र में महसूस की जाती है। उन्होंने विशेष रूप से स्वर्गीय अजित पवार के सरल, स्पष्टवादी और मिलनसार स्वभाव का उल्लेख किया। राज्यपाल ने कहा कि स्वर्गीय अजित पवार का कार्य आने वाली कई पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणादायी विरासत के रूप में बना रहेगा और सामाजिक जीवन को दिशा प्रदान करेगा।

स्वर्गीय अजित पवार की स्मृति में वर्ली स्थित एनएससीआई डोम में आयोजित शोकसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, विधानसभा अध्यक्ष एडवोकेट राहुल नार्वेकर, विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, पूर्व मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई, पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे, उद्योगपति गौतम अडानी, मुकेश अंबानी, अभिनेता नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, मंत्रिमंडल के सदस्य, विधानसभा एवं विधान परिषद के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि यद्यपि प्रकृति ने मानव पर कुछ सीमाएँ निर्धारित की हैं, परंतु किसी व्यक्ति की वास्तविक महानता उसके जीवन के कार्यों और समाज के वंचित व जरूरतमंद वर्गों को दिए गए सहयोग से तय होती है। 'कीर्ति यशस्य जीवति' के सिद्धांत के अनुसार, महान व्यक्तियों की उपलब्धियाँ और उनके आदर्श विचार उन्हें अमरत्व प्रदान करते हैं। ऐसे व्यक्तियों की कीर्ति किसी भी समय और किसी भी परिस्थिति में नष्ट नहीं हो सकती, ऐसा राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने अपने वक्तव्य में कहा।

महाराष्ट्र के विकास की गति को धीमा नहीं होने दिया - उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि अजितदादा ने महाराष्ट्र के विकास की गति को कभी धीमा नहीं होने दिया और इसके लिए उन्होंने विकास कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया। उन्होंने दृढ़ता से अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि विकास के लिए मंत्रिमंडल बैठकों में उन्होंने मितव्ययिता की नीति अपनाई और विकास परियोजनाओं को पूरा करने के लिए निधि उपलब्ध कराते समय गहन अध्ययन के साथ संपूर्ण जानकारी प्रस्तुत की। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि 'लाडकी बहिन' योजना के लिए प्रावधान करते समय उन्होंने राज्य की आर्थिक स्थिति और विकास के बीच संतुलन बनाने का कठिन कार्य सफलतापूर्वक निभाया।

मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि उनका दिन और काम प्रातः छह बजे से ही शुरू हो जाता था। महाराष्ट्र के विकास के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, अजित दादा और हमारे बीच अत्यंत अच्छा समन्वय था और हम एक-दूसरे की भावनाओं को भली-भांति समझते थे।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि हमने विकास दृष्टि वाले एक नेता को खो दिया है। हाल ही में वे पुणे के लिए एक महत्वपूर्ण कार्य को लेकर लगातार प्रयासरत थे और तीन मंजिला एलिवेटेड ब्रिज को केंद्र सरकार की स्वीकृति मिली थी। वे विकास परियोजनाओं के लिए नई दिल्ली और नागपुर जाकर लगातार अनुवर्तन करते थे तथा परियोजनाओं की स्वीकृति के बाद भी स्थल पर जाकर प्रगति की समीक्षा कर उन्हें जिम्मेदारीपूर्वक पूर्णता की ओर ले जाने का कार्य करते थे।

इस अवसर पर स्वर्गीय उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार तथा उनके पुत्र पार्थ और जय सहित विभिन्न क्षेत्रों के अनेक गणमान्य व्यक्ति पवार परिवार को सांत्वना देने के लिए उपस्थित थे। श्रद्धांजलि सभा में स्वर्गीय उपमुख्यमंत्री अजित पवार के जीवन और राजनीतिक कार्यकाल पर आधारित चलचित्र प्रदर्शित किए गए तथा विभिन्न क्षेत्रों के मान्यवरों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मध्य रेल ने वित्त वर्ष 2025-26 (जनवरी 2026 तक) के लिए यात्री एवं वाणिज्यिक परिवहन से 14,441 करोड़ रुपये की आय दर्ज की

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल ने वित्त वर्ष 2025-26 (जनवरी 2026 तक) के लिए मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है, जिसमें यात्री एवं वाणिज्यिक परिवहन से महत्वपूर्ण राजस्व प्राप्त हुआ है।

वित्त वर्ष 2025-26 (जनवरी 2026 तक)

वित्त वर्ष 2025-26 (जनवरी 2026 तक) के दौरान, मध्य रेल ने यात्री एवं वाणिज्यिक परिवहन से 14,441.23 करोड़ रुपये की आय दर्ज की है। इसमें यात्री परिवहन से 6,561.38 करोड़ रुपये, माल परिवहन से 6,741.29 करोड़ रुपये, अन्य कोचिंग सेवाओं से 640.80 करोड़ रुपये और विविध मदों से 497.76 करोड़ रुपये की आय शामिल है।

अन्य कोचिंग आय में गैर-किराया पहलों से 108.58 करोड़ रुपये और पार्सल परिवहन से 209.97 करोड़ रुपये की आय शामिल है।

जनवरी 2026 के दौरान

जनवरी 2026 के महीने में, मध्य रेल ने कुल 1579.80 करोड़ रुपये की यात्री और वाणिज्यिक आय दर्ज की। इसमें 680.30 करोड़ रुपये यात्री आय, 784.07 करोड़ रुपये माल आय, 63.90 करोड़ रुपये अन्य कोचिंग आय और 51.53 करोड़ रुपये विविध आय शामिल है।

अन्य कोचिंग आय में गैर-किराया पहलों

से 11.71 करोड़ रुपये और पार्सल परिवहन से 22.03 करोड़ रुपये की आय शामिल है।

जनवरी 2026 के माह में, गैर-किराया पहलों के तहत, ई-नीलामी के माध्यम से 14 अनुबंध दिए गए, जिससे कुल 244.51 लाख रुपये का वार्षिक लाइसेंस शुल्क प्राप्त हुआ।

इनमें शामिल हैं:

मुंबई मंडल द्वारा ईएमयू रेकों के आंतरिक और बाहरी भाग पर विज्ञापन, स्टेशनों पर बहुउद्देशीय स्टॉल और स्वास्थ्य कियोस्क, तथा विभिन्न स्थानों पर ग्लो साइन और होर्डिंग्स के माध्यम से विज्ञापन के लिए 146.13 लाख रुपये के अनुबंध दिए गए।

भुसावल मंडल द्वारा होर्डिंग्स पर विज्ञापन, ट्रेनों के अंदर वेंडिंग मशीनों के अनुबंध और स्टेशनों पर प्रतीक्षा कक्ष के अनुबंध के लिए 84.17 लाख रुपये के अनुबंध दिए गए।

नागपुर मंडल द्वारा होर्डिंग्स पर विज्ञापन, प्रतीक्षा कक्षों और प्लेटफार्मों में आराम कुर्सियों के अनुबंध, रेडियो टैक्सी/कैब एग्रीगेटर के अनुबंध और विभिन्न परिसंपत्तियों के संचालन और रखरखाव के लिए अन्य अनुबंधों के लिए 14.21 लाख रुपये के अनुबंध दिए गए।

जनवरी 2026 के दौरान, मध्य रेल ने 2025-26 में 171 निर्धारित समय सारणीबद्ध, पट्टे पर ली गई और अनुबंधित ट्रेनों (ट्रिप) का संचालन किया।

प्रमुख सेवाओं में शामिल हैं:

साप्ताहिक ट्रेन 00111 भिवंडी रोड-सांकरेल माल यार्ड

विशेष मिश्रित ट्रेन 01153 देवलाली-दानापुर (शेतकरी समृद्धि एक्सप्रेस)

विशेष मिश्रित ट्रेन 01149 भिवंडी रोड-सांकरेल माल यार्ड

नागपुर मंडल में ट्रेन 00761 रेनिगुंटा-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस से जुड़े रेलवे दूध टैंकर

मध्य रेल माल और यात्री सेवाओं का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करते हुए परिचालन को अनुकूलित करने और राजस्व स्रोतों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

ऐतिहासिक चवदार झील के सौंदर्यीकरण कार्य का भूमिपूजन 20 मार्च को - सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाड़ स्थित ऐतिहासिक चवदार झील सत्याग्रह की 99वीं वर्षगांठ के अवसर पर 20 मार्च 2026 को शासन स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा और इसी दिन चवदार झील के सौंदर्यीकरण हेतु महत्वाकांक्षी परियोजना का भूमिपूजन भी किया जाएगा। इस परियोजना के लिए 55 करोड़ रुपये की प्रशासकीय मंजूरी दी गई है तथा सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने वर्षगांठ समारोह एवं भूमिपूजन कार्यक्रम की सूक्ष्म एवं सुव्यवस्थित योजना बनाने के निर्देश दिए हैं।

ऐतिहासिक चवदार झील सत्याग्रह की 99वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट की अध्यक्षता में मंत्रालय में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में रोजगार गारंटी योजना, बागवानी एवं दलदली भूमि विकास मंत्री भारत गोगावले, विभाग के प्रधान सचिव डॉ. हर्षदीप कांबले, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर संशोधन व प्रशिक्षण संस्था (बार्टी) के महानिदेशक सुनील वारे, संयुक्त सचिव सोमनाथ बागुल, सहायक आयुक्त सुनील जाधव, नगर परिषद के मुख्य अधिकारी धनंजय कोळेकर, तहसीलदार महेश शितोले तथा संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की योजना की विस्तृत समीक्षा की गई।

सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने कहा कि 20 मार्च 1927 को भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने महाड़ में सामाजिक समानता के लिए ऐतिहासिक चवदार झील सत्याग्रह का नेतृत्व किया था। उस ऐतिहासिक घटना की स्मृति में इस वर्ष 99वीं वर्षगांठ को अधिक व्यापक और अनुशासित ढंग से मनाया जाएगा। चवदार झील के सौंदर्यीकरण से इस ऐतिहासिक स्थल को नई गरिमा प्राप्त होगी, इसलिए संबंधित एजेंसियों को कार्यक्रम की सख्त और अनुशासित योजना बनानी आवश्यक है। चूंकि इस अवसर पर देशभर से बड़ी संख्या में अनुयायी महाड़ आने वाले हैं, इसलिए उन्होंने भूमिपूजन कार्यक्रम में सभी की सहभागिता सुनिश्चित करने, कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने, सौंदर्यीकरण के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी बड़े एलईडी स्क्रीन के माध्यम से नागरिकों तक पहुंचाने तथा परिवहन, सुरक्षा, चिकित्सा सुविधाओं और स्वच्छता की उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, जनसहभागिता बढ़ाने के लिए विशेष पहल, विद्यार्थियों एवं युवाओं की भागीदारी तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री शिरसाट ने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम ऐसे होने चाहिए जो इस ऐतिहासिक स्थल की गरिमा के अनुरूप सामाजिक जागरण का संदेश दें। उन्होंने यह भी कहा कि चवदार झील सत्याग्रह सामाजिक समानता, न्याय और मानव गरिमा के संघर्ष का एक प्रेरणादायी अध्याय है और सरकार इस वर्षगांठ के माध्यम से समानता एवं बंधुत्व के संदेश को और अधिक सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी।

जिम्मेदार एआई और वैश्विक सहयोग पर जोर - कृषि सलाहकार मेरियन वैन शाइक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र सरकार द्वारा वर्ष 2025-2029 की अवधि के लिए 'कृषि में एआई नीति' की घोषणा किए जाने और इस सम्मेलन के आयोजन पर विशेष रूप से बधाई देते हुए नीदरलैंड की कृषि सलाहकार मेरियन वैन शाइक ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों की सीमाएँ, उपभोक्ता मांग में बदलाव और श्रमशक्ति की कमी के संदर्भ में एआई तकनीक की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि क्षेत्र में लगभग 40 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की है और एआई को किसानों का स्थान लेने के लिए नहीं, बल्कि उन्हें सशक्त बनाने के लिए जिम्मेदार तरीके से लागू किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि किसानों, प्रसंस्करण उद्योगों और एआई एग्रीटेक कंपनियों के लिए व्यवहार्य व्यावसायिक मॉडल और विश्वसनीय डेटा अवसंरचना आवश्यक है।

सम्मेलन में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, जैव विविधता के संरक्षण और प्रिसिजन एग्रीकल्चर के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर चर्चा हुई। मेरियन वैन शाइक ने बताया कि नीदरलैंड एआई के कार्यान्वयन में पर्यावरणीय स्थिरता पर विशेष ध्यान दे रहा है और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शीघ्र घोषित होने वाली भारत-नीदरलैंड रणनीतिक साझेदारी कृषि नवाचार के नए अवसर सृजित करेगी।

महाराष्ट्र के कृषि क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के एक नए युग की शुरुआत हो चुकी है। राज्य ने जनहित में कृषि क्षेत्र में 'एआई' के उपयोग का निर्णय लिया है और भारत को वैश्विक कृषि नवाचारों के केंद्र में ले जाने का लक्ष्य रखा है।

सम्मेलन में 10 मुख्य सत्र, 13 समानांतर सत्र आयोजित किए गए तथा विभिन्न देशों के 116 विशेषज्ञों ने भाग लिया। प्रमुख बहुपक्षीय विकास संगठनों की भी इसमें सहभागिता रही और इस दौरान कुछ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए, यह जानकारी वैश्विक एआई एवं डिजिटल परिवर्तन नीति विशेषज्ञ विकास कानुंगो ने दी।

'एआई फॉर एग्री 2026' सम्मेलन का आयोजन विश्व आर्थिक मंच, एफएओ, यूएनडीपी, आईएफएडी, विश्व बैंक समूह, एशियाई विकास बैंक, इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर सेमी-एरिड ट्रॉपिक्स, भारतीय विज्ञान संस्थान, एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, सीआईआई तथा अन्य वैश्विक और राष्ट्रीय भागीदारों के सहयोग से किया गया। इसमें कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के वैश्विक विशेषज्ञों, नए स्टार्टअप्स, निवेशकों और वित्तीय संस्थानों ने भाग लिया।

इस अवसर पर कृषि आयुक्त सूरज मांढरे, नानाजी संजीवनी परियोजना के परियोजना निदेशक परिमल सिंह, कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

75 स्कूलों पर संकट, अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र देने के आरोप निराधार

मुंबई। अल्पसंख्यक विकास विभाग ने स्पष्ट किया है कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के दिन (28 जनवरी 2026) अल्पसंख्यक विकास विभाग द्वारा न तो किसी नए प्रकरण पर डिजिटल हस्ताक्षर किए गए और न ही उस दिन कोई प्रमाणपत्र वितरित किया गया। विभाग ने यह भी साफ किया है कि उस दिन किसी प्रकार का प्रमाणपत्र जारी नहीं किया गया था।

विभाग के अनुसार अल्पसंख्यक दर्जा प्रदान करने की संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाइन, पारदर्शी है और 27 मई 2013 के शासन निर्णय के प्रावधानों के अनुसार लागू की जाती है। आवेदन की जिला स्तर पर जांच-पड़ताल के बाद ही प्रमाणपत्र वितरित किए जाते हैं। अल्पसंख्यक विकास विभाग ने दृढ़ता से कहा है कि विभाग द्वारा किसी भी प्रकार का अनधिकृत या जल्दबाजी में कार्य किए जाने संबंधी रिपोर्टें पूर्णतः निराधार हैं और तथ्यों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करती हैं।

यह भी स्पष्ट किया गया है कि 'लोक सेवा का अधिकार अधिनियम 2015' के अंतर्गत निर्धारित समय-सीमा को ध्यान में रखते हुए सक्षम प्राधिकारियों द्वारा नियमानुसार आदेश जारी करने की प्रक्रिया पहले ही पूर्ण कर ली गई थी।

27 मई 2013 के शासन निर्णय के प्रावधानों के अनुसार, अल्पसंख्यक दर्जा प्रमाणपत्र जारी करने हेतु उपसचिव श्री शेनॉय को सक्षम प्राधिकारी घोषित करने के प्रस्ताव को विभागीय मंत्री द्वारा 24 नवंबर 2025 को स्वीकृति दी गई थी। अतः सेवा निलंबन अवधि के दौरान प्रमाणपत्र जारी किए जाने का आरोप पूरी तरह निराधार है, ऐसा स्पष्टीकरण अल्पसंख्यक विकास विभाग ने दिया है।

इवॉल्व कंपनी ने राज्य में निवेश के लिए राज्य सरकार के साथ किया समझौता

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया की इवॉल्व कंपनी ने राज्य में निवेश करने में रुचि दिखाई है। कंपनी नवी मुंबई, पुणे और नागपुर क्षेत्रों में लगभग 300 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है, जिससे करीब 1,075 लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा। उद्योग विभाग की ओर से यह जानकारी दी गई कि इस निवेश को लेकर कंपनी ने राज्य सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता विधान भवन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में उद्योग विभाग और कंपनी के बीच आदान-प्रदान किया गया।

इस अवसर पर कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने निवेश से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में उद्योग विभाग के सचिव डॉ. पी. अनबालगन, मुख्यमंत्री के निवेश सलाहकार कौस्तुभ धवसे, इवॉल्व कंपनी के कंट्री हेड आदित्य शर्मा, इवॉल्व कंपनी के भारतीय भागीदार एम्प्रेसेंड इंडस्ट्रीज ग्रुप के अध्यक्ष रुस्तम केरावाला, वरुण गुप्ता, उद्योग विभाग के संयुक्त सचिव श्रीकांत पुलकुंडवार सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

सम्पादकीय

आधी आबादी का हक, न्यायिक व्याख्या और नारी गरिमा का प्रश्न

महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की सुनवाई और फैसले की दिशा इस बात पर निर्भर करती है कि न्यायालय में पीड़िता के पक्ष पर कितनी संजीदगी के साथ गौर किया गया। खासतौर पर हमारे देश में बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों के मामले में न केवल इस अपराध की प्रकृति, बल्कि उसका पीड़िता के मन-मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभावों को ध्यान में रखते हुए बेहद संवेदनशील रुख अपनाने की जरूरत होती है, लेकिन कई बार इन तकाजों को प्राथमिक नहीं माना जाता।

मगर अब सर्वोच्च न्यायालय ने इस संदर्भ में एक जरूरी मानक सामने रखा है कि निचली अदालतों में बलात्कार के मामलों पर सुनवाई करते हुए कितना संवेदनशील होने की जरूरत है! गौरतलब है कि पिछले वर्ष मार्च में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने फैसले में एक नाबालिग लड़की पर यौन इरादे से शारीरिक बलप्रयोग को बलात्कार के प्रयास का अपराध नहीं माना और आरोपों को हल्का करार दिया। उस समय भी अदालत के रुख और उसकी टिप्पणियों पर तीखे सवाल उठे थे।

अब सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, उससे एक बार फिर महिलाओं की गरिमा और अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायिक व्यवस्था के प्रति भरोसा मजबूत हुआ है। दरअसल, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने संबंधित मामले में बलात्कार से संबंधित कानून के प्रावधानों की विचित्र व्याख्या करके आरोपियों के प्रति जिस तरह नरम रुख अख्तियार किया था, वह अपने आप में न्याय की प्रक्रिया पर एक गंभीर सवाल था।

खासतौर पर एक नाबालिग लड़की पर तीन युवकों के शारीरिक बलप्रयोग, बदतमीजी और उसकी गरिमा को चोट पहुंचाने की जिस स्तर पर अनदेखी की गई और आरोप की गंभीरता को कम किया गया, उस पर खुद सुप्रीम कोर्ट ने भी गहरी नाराजगी जताई थी। बीते वर्ष 25 मार्च को शीर्ष अदालत की पीठ ने साफ शब्दों में कहा था कि यह फैसला पूरी तरह से असंवेदनशील और अमानवीय नजरिए को दिखाता है, इसलिए इस पर रोक जरूरी है। अब उसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट को फटकार लगाई और उसके विवादित फैसले को पलटते हुए नाबालिग लड़की से की गई हरकत को 'बलात्कार का प्रयास' करार दिया।

अब यह मुकदमा गंभीर अपराध और पाक्सो अधिनियम के सख्त प्रावधानों के तहत चलेगा। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट का यह रुख महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों की रोकथाम और खासतौर पर अदालतों में बलात्कार जैसे गंभीर अपराध की सुनवाई के क्रम में कभी-कभार बरती जाने वाली असंवेदनशीलता के मद्देनजर बेहद अहम है। सवाल है कि ऐसे मामलों में कानूनी प्रावधानों की व्याख्या करते हुए अपराध की प्रकृति, पीड़िता की स्थिति और सामाजिक हकीकतों को ध्यान में रखना जरूरी क्यों नहीं समझा जाता!

जब भी अदालतों की ओर से ऐसे मामलों में जरूरी संवेदनशीलता के तकाजों की अनदेखी की जाती है, तब यौन अपराधों के विरुद्ध महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के प्रयास कमजोर होते हैं। शायद इन्हीं वजहों से सुप्रीम कोर्ट ने अब यौन अपराधों और अन्य संवेदनशील मामलों के संदर्भ में न्यायाधीशों के दृष्टिकोण और न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता तथा करुणा पैदा करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को एक समिति गठित करने को कहा है।

यह इसलिए भी जरूरी पहल है कि न्याय की उम्मीद तभी पूरी हो सकती है, जब न्यायाधीशों के भीतर पीड़ित की वास्तविक स्थितियों के प्रति जरूरी संवेदनशीलता, करुणा और समझ की भावना हो।

घर से लेकर कार्यस्थल तक और यहां तक कि सार्वजनिक जगहों पर भी कुछ लोग स्त्रियों की गरिमा और आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने से बाज नहीं आते। नैतिक और सामाजिक मूल्यों की इस गंभीर क्षति को रोकने का प्रयास कम ही दिखता है। मगर पिछले दिनों दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित संगीत कार्यक्रम में महिलाओं को परेशान किए जाने की घटना को पंजाबी गायिका जैस्मीन सैंडलस ने गंभीरता से लिया।

विदेश गए बच्चे, अकेले रह गए माता-पिता उपेक्षा पर सख्त हुई संसद, बनेगा कड़ा कानून

भारतीय समाज में परिवार की संरचना और मूल्यों का आधार माता-पिता की देखभाल एवं सम्मान रहा है। मगर आधुनिक समय में वैश्वीकरण, बेहतर शिक्षा और अच्छे रोजगार के लिए युवा विदेश या बड़े शहरों में जाकर बस रहे हैं। यह प्रवास अक्सर परिवारों में आर्थिक उन्नति तो लाता है, लेकिन कई मामलों में बुजुर्ग माता-पिता अकेले पड़ जाते हैं। देखभाल और भावनात्मक समर्थन का अभाव तथा अकेलेपन से बुजुर्गों की मानसिक एवं शारीरिक स्थिति दयनीय हो जाती है। हाल ही में बजट सत्र के दौरान राज्यसभा में इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया गया और विदेश जाने वाले युवाओं के लिए माता-पिता की देखभाल सुनिश्चित करने वाले सख्त नियमों की मांग की गई। सुझाव दिया गया कि विदेश जाने से पहले युवाओं से एक हलफनामा लिया जाए, जिसमें वे अपनी आय का एक निश्चित हिस्सा माता-पिता की देखभाल के लिए देने का वादा करें।

साथ ही हर छह महीने में माता-पिता से 'संतुष्टि प्रमाण पत्र' प्राप्त करना अनिवार्य हो, जिसमें बुजुर्ग पुष्टि करें कि उनकी देखभाल सही तरीके से हो रही है, उनके बच्चे नियमित संपर्क में हैं और आवश्यक सहायता मिल रही है। यदि ऐसा प्रमाण पत्र नहीं मिलता या शिकायत आती है, तो ऐसे युवाओं का पासपोर्ट रद्द किया जाए और उन्हें भारत वापस बुलाया जाए। इसके अलावा यह सलाह भी दी गई कि कम से कम सप्ताह में एक बार फोन पर माता-पिता का हालचाल पूछना भी बाध्यकारी होना चाहिए।

संसद में दिए गए ये सुझाव इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि पिछले वर्ष पांच सौ से अधिक ऐसे

मामले सामने आए, जहां विदेश में बसे बच्चों की ओर से उपेक्षा के कारण माता-पिता की हालत बहुत खराब हो गई या उनकी मृत्यु हो गई और बच्चे अंतिम संस्कार के लिए भी नहीं लौटे। यह मुद्दा केवल भावनात्मक नहीं है, बल्कि सामाजिक और कानूनी दृष्टि से भी गंभीर है। भारत में पहले से ही 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम- 2007' लागू है, जो युवाओं को माता-पिता की आर्थिक और भावनात्मक देखभाल के लिए जिम्मेदार बनाता है।

इस कानून के तहत बुजुर्ग न्यायाधिकरण में शिकायत कर सकते हैं और अपने बच्चों से मासिक भरण-पोषण की सहूलियत प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें संपत्ति हस्तांतरण रद्द करने की शक्ति भी शामिल है। मगर अफसोसनाक है कि सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद बुजर्गों की देखभाल और सुरक्षा पूरी तरह सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, जिस कारण बड़ी संख्या में बुजुर्ग वृद्धाश्रम में शरण लेने को मजबूर हो रहे हैं, जबकि कई माता-पिता के बच्चे भारतीय शहरों में ही रह रहे हैं।

दूसरा, यह कानून विदेश में बसे युवाओं (एनआरआइ) पर प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो पाता, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्षेत्राधिकार, प्रवर्तन की कमी और संपर्क की दूरी जैसी समस्याएं आड़े आती हैं। कई एनआरआइ युवा भारत में संपत्ति या बैंक खाते रखते हैं, लेकिन माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लेते हैं। संसद में पेश किया गया प्रस्ताव इसी कमी को दूर करने के प्रयास से जुड़ा है, जहां विदेश मंत्रालय और पासपोर्ट प्राधिकरण के माध्यम से यात्रा तथा नागरिकता से जुड़ी शर्तें लगाने का सुझाव दिया गया है।

यदि इस पर गंभीरता से विचार कर इसे व्यवस्था का हिस्सा बनाए जाए, तो विदेश जाने वाले युवाओं के लिए पासपोर्ट आवेदन या वीजा प्रक्रिया में माता-पिता की सहमति या हलफनामा अनिवार्य हो सकता है, जो उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम होगा। इस तरह के कानून की आवश्यकता इसलिए भी महसूस की जा रही है, क्योंकि भारत में बुजुर्ग आबादी तेजी से बढ़ रही है। वर्ष 2021 के एक अनुमानित आंकड़े के अनुसार, देश में साठ वर्ष से अधिक उम्र के लोग कुल आबादी का लगभग दस फीसद हैं, और यह संख्या वर्ष 2030 तक और बढ़ने का अनुमान है। युवाओं के विदेश और शहरों में पलायन के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में बुजुर्ग अकेले रह जाते हैं, जहां स्वास्थ्य सेवाएं, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक समर्थन की कमी होती है।

कई मामलों में माता-पिता अपने बच्चों को विदेश भेजने के लिए अपनी जमीन-जायदाद तक बेच देते हैं, अपनी सारी बचत उसमें लगा देते हैं और कहीं कमी रह जाए तो बैंकों से कर्ज लिया जाता है। मगर कई दफा उन्हें बदले में अकेलापन और उपेक्षा ही मिलती है। यह न केवल व्यक्तिगत स्तर पर दुखद है, बल्कि समाज में पारिवारिक मूल्यों के क्षरण को भी दर्शाता है। भारतीय संस्कृति में 'मातृ-पितृ भक्ति' को सर्वोच्च माना जाता है, लेकिन आर्थिक महत्त्वाकांक्षा और पश्चिमी जीवनशैली के प्रभाव से ये मूल्य कमजोर पड़ रहे हैं। संसद में दिया गया सुझाव इसी सांस्कृतिक संकट पर ध्यान आकर्षित करता है और याद दिलाता है कि युवाओं की सफलता के पीछे माता-पिता का त्याग भी होता है, इसलिए उनकी सेवा अनिवार्य होनी चाहिए।

हालांकि, इस प्रस्ताव पर बहस भी छिड़ी हुई है। कुछ लोग इसे सकारात्मक मानते हैं, क्योंकि यह बुजुर्गों के अधिकारों की रक्षा से जुड़ा है और बच्चों में जिम्मेदारी की भावना जगाने वाला है। सोशल मीडिया पर कई लोग इसका यह कहकर समर्थन कर रहे हैं कि इस तरह का कानून जरूरी है, ताकि माता-पिता का भविष्य सुरक्षित रहे। दूसरी ओर, कुछ आलोचक इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अतिक्रमण मानते हैं। वे कहते हैं कि पासपोर्ट रद्द करना या प्रमाण पत्र की बाध्यता जैसे कदम बहुत कठोर हैं, जो प्रवास की स्वतंत्रता को प्रभावित करेंगे। अंतरराष्ट्रीय कानूनों में पासपोर्ट रद्द करने के लिए केवल गंभीर अपराध या राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार होते हैं, न कि पारिवारिक मामलों पर। एनआरआइ समुदाय का एक हिस्सा भी इसे भेदभावपूर्ण मानता है, उनका तर्क है कि भारत में रहने वाले युवा जो माता-पिता की उपेक्षा करते हैं, उनके खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई नहीं होती है।

इसके बावजूद इस प्रस्ताव की व्यावहारिकता पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। यदि सरकार इस तरह के प्रावधान लागू करती है, तो विदेश मंत्रालय को एनआरआइ से जुड़े डेटाबेस को मजबूत करना होगा, भारतीय दूतावासों के माध्यम से प्रमाण पत्र सत्यापन की व्यवस्था करनी होगी और शिकायतों के लिए एक तंत्र बनाना होगा। यह प्रक्रिया जटिल हो सकती है, लेकिन डिजिटल प्रणाली और आधार जैसी सुविधाओं से इसे संभव बनाया जा सकता है। मिसाल के तौर पर माता-पिता एक आनलाइन पोर्टल पर प्रमाण पत्र दर्ज कर सकते हैं या दूतावास में जमा कर सकते हैं। यदि प्रमाण पत्र नहीं मिलता है, तो पासपोर्ट नवीनीकरण रुक सकता है या यात्रा प्रतिबंध लग सकता है। यह कदम युवाओं को अपने माता-पिता से नियमित संपर्क बनाए रखने के लिए प्रेरित करेगा और उनकी सुरक्षा का एहसास दिलाता रहेगा।

इस मुद्दे पर संसद में उठाया गया सवाल केवल कानूनी नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी अहम है। यदि ऐसा कानून बनता है, तो यह सुनिश्चित करेगा कि विदेश में सफलता पाने वाले युवा अपने माता-पिता को कभी न भूलें। बुजुर्गों का सम्मान और सुरक्षा राष्ट्र की प्रगति का आधार है, और उनकी उपेक्षा सामाजिक मूल्यों के लिए घातक साबित हो सकती है। इसलिए इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए, ताकि बुजुर्ग माता-पिता का भविष्य सुरक्षित हो और परिवार की एकता बनी रहे। यह कदम न केवल बुजुर्गों की रक्षा करेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को जिम्मेदारी का पाठ भी पढ़ाएगा।

हार के बाद भी जो न टूटे, सफलता की असली ताकत है 'दृढ़ निश्चय'

मनुष्य का जीवन किसी सीधी सड़क की यात्रा नहीं है, बल्कि यह एक ऐसे महासागर की यात्रा है, जिसमें मौसम प्रति पल अपना रंग बदलता रहता है। हवा का रुख कभी यात्रा की दिशा के अनुकूल होता है, तो कभी प्रतिकूल। विशाल जलराशि कभी शांत होती है, तो कभी उग्र। ऐसी दशाओं में नाव का चलना केवल भाग्य या परिस्थितियों पर ही निर्भर नहीं होता, बल्कि वह निर्भर करता है नाविक की सजगता, साहस और खासकर उस पतवार पर, जिसे वह लगातार थामे रहता है। जीवनरूपी महासागर की इस यात्रा में जो तत्त्व पतवार की भूमिका अदा करता है, वह है दृढ़ निश्चय। यह ऐसी शक्ति है, जो मनुष्य को विपरीत परिस्थितियों में भी सही दिशा से भटकने नहीं देती। इसलिए यह कहना कोई अत्युक्ति नहीं कि दृढ़ निश्चय ही जीवन की पतवार है।

आज का समय जितना द्रुत है, उतना ही अधिक विचलनशील भी। तकनीक के उन्नयन ने निस्संदेह हमें सुविधाओं का अमूल्य कोष प्रदान किया है, लेकिन साथ ही हमें अधीरता भी एक पार्श्वप्रभाव के रूप में प्राप्त हुई है। विकल्पों की बाढ़ ने हमें विविध अवसर दिए हैं, लेकिन निर्णय की स्थिरता को बहुत बुरी तरह प्रभावित किया है। आज स्थिति यह है कि हम शीघ्रातिशीघ्र परिणाम चाहते हैं, तत्काल स्थापित होना चाहते हैं और बिना संघर्ष के ही सफलता की कल्पना करने लगते हैं। यही कारण है कि मार्ग में उपस्थित छोटे-छोटे अवरोध भी हमें बड़े संकट जैसे प्रतीत होने लगते हैं। कोई कार्य अपनी सिद्धि में थोड़ा समय ले ले, तो हमारा मन हमसे कहता है कि 'इसे छोड़ो'। कार्य में असफलता प्राप्त होने पर मन उसे अपनी क्षमताओं की परिधि से परे समझ लेता है। आलोचना की स्थिति में मन हताशा और नकारात्मकता से भरने लगता है।

ऐसे प्रतिकूल समय में दृढ़ निश्चय ही वह आंतरिक बल है, जो मन को टूटने से बचाता है और विचारों को बिखरकर व्यर्थ नहीं होने देता। दृढ़ निश्चय को कई बार हठ, जिद या कठोरता के साथ जोड़ दिया जाता है। मगर वास्तविक दृढ़ निश्चय का आधार कभी कठोर नहीं होता, बल्कि यह विवेक की कोमलता से निर्मित होता है। दृढ़ निश्चय सदैव सही लक्ष्य चुनकर, सही दिशा पकड़कर, प्रत्येक बाधा को पार करते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इसकी पतवार में एक अनोखा लचीलापन होता है। परिस्थितियां बदलने पर यह अपनी गति का तरीका भी परिवर्तित कर लेती है, लेकिन प्रत्येक दशा में लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता बनी रहती है। यह व्यक्तित्व को स्थिरता प्रदान करता है। अंतर्मन में विद्यमान भय, आलस्य, निराशा और शंका व्यक्ति की संभावनाओं को समाप्त कर देते हैं। दृढ़ निश्चय ही वह गुण है जो इन शत्रु भावों के प्रति एक अमोघ अस्त्र का कार्य करके इनका शमन करता है और मन को लक्ष्य के साथ बांधे रखता है।

सफलता का मार्ग बाहर से जितना आकर्षक दिखाई पड़ता है, भीतर से उतना ही कठिन और संघर्षपूर्ण होता है। हम अक्सर किसी व्यक्ति की मंजिल को देखते हैं, उस मंजिल तक पहुंचने में उसके द्वारा की गई यात्रा को नहीं। अनेक बार टूटकर भी अपने संकल्प को बचाए रखने के उत्साह को शायद हम नहीं देख पाते। दृढ़ निश्चय का संबंध परिश्रम के साथ धैर्य से भी है। निरंतरता ही मेहनत के मूल्य को निर्मित करती है। यह सीख हमें प्रकृति से सतत रूप से मिलती रहती है। बीज मिट्टी में पड़कर तत्काल वृक्ष नहीं बन जाता। बहता पानी एक ही दिन में नदी के रूप में अपनी पहचान नहीं प्राप्त कर लेता। पर्वतों की विशालता भी सदियों में ही अस्तित्व में आती है। ठीक इसी तरह मनुष्य के भीतर भी बड़े परिवर्तन एक क्षण में नहीं घटित होते।

दृढ़ निश्चय व्यक्ति को लंबी यात्रा के लिए तैयार करता है। वह उसे सदैव प्रेरित करता है कि मार्ग अवश्य कठिन एवं दुरूह होगा, लेकिन यात्रा को विराम मत देना। छोटे-छोटे संकल्प मन को दृढ़ता प्रदान करते हैं। संकल्पों की ऊर्जा से सिंचित मन ही धीरे-धीरे बड़े संघर्षों के लिए तैयार होता है। दृढ़ निश्चय का आधार है- स्वयं के प्रति ईमानदारी। जो व्यक्ति अपने आप से बार-बार वादा करके तोड़ता है, वह अति शीघ्र भीतर से कमजोर हो जाता है, लेकिन स्वयं के साथ प्रतिबद्ध व्यक्ति आत्मविश्वास के उच्चतम स्तर को प्राप्त कर लेता है।

दृढ़ निश्चय व्यक्ति को परिस्थितियों का दास नहीं बनने देता। यह व्यक्ति को प्रतिकूल परिस्थिति में भी प्रयत्न की निरंतरता को बनाए रखने की शक्ति देता है। नतीजतन, व्यक्ति मानसिक रूप से सशक्त हो जाता है। दृढ़ निश्चय से पूर्ण व्यक्ति गिरकर भी उठता है, रुककर भी फिर चल पड़ता है और हारकर भी जीतने का प्रयास करता है। जीवन में कई बार हम कुछ समय के लिए पीछे चले जाते हैं, लेकिन अगर हमारा संकल्प जीवित है, तो हम फिर से आगे बढ़ जाते हैं। एक महत्त्वपूर्ण बात यह कि दृढ़ निश्चय की पतवार बिना दिशा के नहीं चलती। इसलिए लक्ष्य का चयन भी नितांत महत्त्वपूर्ण है। लक्ष्य ऐसा होना चाहिए जो आत्मा की गहराई से जुड़ा हो। जब लक्ष्य हमारे भीतर से निकलता है, तब दृढ़ निश्चय स्वतः मजबूत होता है। मगर जब लक्ष्य केवल बाह्य प्रदर्शन के लिए होता है, तब वह कठिनाई का वार होते ही टूट जाता है।

इसलिए जीवन में सर्वप्रथम यह स्पष्ट होना जरूरी है कि हमें दरअसल चाहिए क्या। उसके बाद उसी लक्ष्य के लिए अपने भीतर दृढ़ निश्चय को उत्पन्न करना चाहिए। आज तेजी से परिवर्तित होती दुनिया, अनियंत्रित प्रतिस्पर्धा और जटिल चुनौतियों के बीच हमें अपने भीतर दृढ़ निश्चय को केवल एक गुण के रूप में ही नहीं, बल्कि जीवन की आधारशिला के रूप में विकसित करना होगा। जो व्यक्ति दृढ़ निश्चय की पतवार थामकर जीवनयात्रा को जारी रखता है।

असमानताओं पर प्रहार, समानता का विस्तार : एक सार्थक पुकार

संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व सामाजिक न्याय दिवस आज के समय में केवल असमानताओं पर प्रहार एवं समानता के विस्तार की एक सार्थक पुकार का अंतरराष्ट्रीय आयोजन ही नहीं, बल्कि वैश्विक चेतना का आह्वान है। वर्ष 2026 में यह दिवस विशेष महत्व ग्रहण कर रहा है, क्योंकि विश्व तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था, तकनीकी संक्रमण, जलवायु संकट, राजनीतिक ध्रूवीकरण और सामाजिक असमानताओं के बीच नई संतुलित व्यवस्था की तलाश में है। इस वर्ष की थीम 'समावेश को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना' हमें यह याद दिलाता है कि विकास तभी सार्थक है जब वह समावेशी हो और समावेशन तभी प्रभावी है जब वह न्यायपूर्ण हो। सामाजिक न्याय का अर्थ केवल अवसरों की समानता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक व्यवस्था की स्थापना का आग्रह करता है जिसमें संसाधनों, अधिकारों और गरिमा का निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित हो। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा की समान उपलब्धता नहीं मिलती, तब तक प्रगति अधूरी है। 2026 की थीम विशेष रूप से उन समुदायों की भागीदारी पर बल देती है जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे हैं-चाहे वे आर्थिक रूप से वंचित हों, सामाजिक रूप से उपेक्षित हों या राजनीतिक रूप से प्रतिनिधित्व से दूर हों। समावेशन का सशक्तिकरण केवल नीतिगत घोषणा नहीं, बल्कि निर्णय-प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता का अधिकार है।

आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई कई रूपों में दिखाई देती है। एक ओर तकनीकी क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है, तो दूसरी ओर पारंपरिक श्रम-आधारित रोजगार असुरक्षित होते जा रहे हैं। डिजिटल विभाजन नई सामाजिक दूरी का कारण बन रहा है। ग्रामीण और शहरी, विकसित और विकासशील, पुरुष और महिला, सक्षम और दिव्यांग-इन सबके बीच संसाधनों की असमान पहुंच सामाजिक तनाव को जन्म देती है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय का अर्थ है इन अंतरों को पहचानना और उन्हें पाटने के लिए लक्षित, संवेदनशील और पारदर्शी नीतियों का निर्माण करना। सम्मानजनक कार्य की अवधारणा भी सामाजिक न्याय के केंद्र में है। केवल रोजगार उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं, बल्कि ऐसा कार्य-संस्कृति बनाना आवश्यक है जिसमें उचित वेतन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो। आर्थिक विकास तभी टिकाऊ हो सकता है जब वह मानव गरिमा के साथ जुड़ा हो। यदि विकास केवल आंकड़ों में सीमित रह जाए और आम नागरिक के जीवन में राहत न ला सके, तो वह विकास नहीं, केवल विस्तार है।

मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र इस युग की अनिवार्यता बन चुका है। कोविड-19 महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि संकट किसी भी समाज को अचानक अस्थिर कर सकता है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट और आर्थिक मंदी से निपटने के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। वृद्धजन, दिव्यांग, महिलाएं, बच्चे और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक-इन सभी के लिए संरक्षित ढांचा ही न्यायपूर्ण समाज की नींव है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में सामाजिक न्याय का विचार ऐतिहासिक और संवैधानिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। भारतीय संविधान ने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों के माध्यम से एक ऐसे समाज की कल्पना की है जहां जाति, धर्म, लिंग या वर्ग के आधार पर भेदभाव न हो। आज भी सामाजिक न्याय का प्रश्न केवल आर्थिक असमानता तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक पूर्वाग्रहों, लैंगिक भेदभाव, क्षेत्रीय असंतुलन और सांस्कृतिक असमानताओं से भी जुड़ा है।

समकालीन भारत में सामाजिक न्याय के संदर्भ में विभिन्न सरकारी योजनाओं और पहलों के माध्यम से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक और नशा-पीड़ित व्यक्तियों के सशक्तिकरण हेतु अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। सरकार का दृष्टिकोण यह रहा है कि सामाजिक न्याय विभाजन की राजनीति नहीं, बल्कि समावेशन की नीति के माध्यम से स्थापित हो। 'संतुष्टिकरण' बनाम 'तुष्टिकरण' की अवधारणा इसी दिशा में एक वैचारिक संकेत है, जो समाज को जोड़ने की बात करती है। फिर भी चुनौतियां शेष हैं। महंगाई, बेरोजगारी, पर्यावरणीय संकट और बढ़ती जीवन-यापन लागत आम नागरिक के लिए वास्तविक कठिनाइयां उत्पन्न करती हैं। लोकतंत्र का उद्देश्य केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं, बल्कि जनसंतोष और जनकल्याण सुनिश्चित करना है। यदि नागरिक स्वयं को असुरक्षित, असमान या उपेक्षित अनुभव करें, तो सामाजिक न्याय का आदर्श खोखला प्रतीत होने लगता है।

आज आवश्यकता है कि सामाजिक न्याय को केवल राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व के रूप में देखा जाए। हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि 'यह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं।' रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि 'मनुष्य का कल्याण ही सबसे बड़ा कानून है।' लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है। सामाजिक न्याय के लिए सामाजिक एकता भंग नहीं की जा सकती। शासन और प्रशासन की प्रत्येक नीति का अंतिम लक्ष्य मानव कल्याण होना चाहिए। यदि शक्ति के स्रोत जनहित में प्रयुक्त न हों, तो वे असंतोष और अविश्वास को जन्म देते हैं। विश्व सामाजिक न्याय दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। क्या हमारा लोकतंत्र समानता का लोकतंत्र है या विभेद का? क्या हमारी स्वतंत्रता सबके लिए समान अवसर लेकर आई है या केवल कुछ वर्गों तक सीमित है? क्या हमारी नीतियां पारदर्शिता और नैतिकता पर आधारित हैं या वे जटिलता और असमानता को बढ़ा रही हैं? इन प्रश्नों का उत्तर ईमानदारी से खोजना ही इस दिवस की सार्थकता है।

सामाजिक न्याय केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जाति, धर्म, वर्ग और लिंग के भेद से ऊपर उठकर यदि नागरिक परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करें, तो सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ किया जा सकता है। शिक्षा संस्थान, नागरिक संगठन, धार्मिक और सांस्कृतिक मंच-सभी को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नई वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा और डिजिटल नवाचार नए अवसर प्रदान कर रहे हैं, वहीं यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इन अवसरों का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। अन्यथा विकास की गाड़ी कुछ लोगों को आगे ले जाएगी और शेष को पीछे छोड़ देगी। समावेशन का सशक्तिकरण इसी असंतुलन को रोकने का प्रयास है। प्रतिदिन कोई न कोई कारण महंगाई को बढ़ाकर हम सबको और धक्का लगा जाता है और कोई न कोई टैक्स, अधिभार हमारी आय को और संकुचित कर जाता है। जानलेवा प्रदूषण ने लोगों की सांसों को बाधित कर दिया, लेकिन हम किसी सम्यक् समाधान की बजाय नये नियम एवं कानून थोप कर जीवन को अधिक जटिल बना रहे हैं। सामाजिक न्याय व्यवस्था तभी सार्थक है जब आम जनता निष्कंटक एवं समस्यामुक्त समानता का जीवन जी सके।

2026 का यह दिवस हमें यह संदेश देता है कि न्याय और विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग सामाजिक न्याय से होकर ही गुजरता है। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भी सम्मान, सुरक्षा और अवसर के साथ जीवन जी सके, तभी हम कह सकेंगे कि हमने सामाजिक न्याय के आदर्श को साकार किया है। इस तरह सामाजिक न्याय केवल नीति का प्रश्न नहीं, बल्कि चेतना का प्रश्न है। यह हमारे विचारों, व्यवहार और निर्णयों में परिलक्षित होना चाहिए। जब नागरिक और शासन दोनों मिलकर समानता, गरिमा और अवसर की संस्कृति का निर्माण करेंगे, तभी विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाने की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होगी। समावेश को सशक्त बनाकर और असमानताओं की खाई को पाटकर ही हम एक ऐसे समाज की रचना कर सकते हैं जो अधिक न्यायपूर्ण, अधिक मानवीय और अधिक स्थायी हो।

सही खान-पान आचार-विचार एवं सकारात्मकता सहित अनुशासित जीवन समग्र स्वास्थ्य का मूलमंत्र - डॉ अशोक कुमार वार्ष्णेय

स्वस्थ जीवनशैली एवं ऋतुचर्या का पालन कर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएँ - प्रो योगेन्द्र प्रताप सिंह

गोविन्द बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान एवं आरोग्य भारती के संयुक्त तत्वावधान में 'स्वस्थ जीवनशैली एवं ऋतुचर्या' विषय पर प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव एवं राष्ट्रीय औषधि पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के माननीय सदस्य डॉ अशोक कुमार वार्ष्णेय उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रो योगेन्द्र प्रताप सिंह ने की । मंचासीन अन्य अतिथियों में क्षेत्रीय संयोजक डॉ संग्राम सिंह एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रो जी एस तोमर उपस्थित रहे । धन्वन्तरि स्तवन डॉ अवनीश पाण्डेय ने किया । दीप प्रज्वलन के बाद डॉ तोमर ने मंचासीन अतिथियों को अंगवस्त्रम् से सम्मानित किया । तदनन्तर आरोग्य भारती फूलपुर के संयोजक डॉ विनोद शर्मा ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया । अपने उद्बोधन में डॉ वार्ष्णेय ने काल भोजन एवं देश काल एवं ऋतु के अनुसार भोजन करने की सलाह दी । ब्राह्म मुहूर्त में उठना, योग, व्यायाम करना एवं रात्रि में सायं सात बजे तक हल्का एवं सुपाच्य भोजन अवश्य कर लेना स्वस्थ रहने का मूल मंत्र है । जल्दी सोना एवं छह से आठ घंटे की नींद को स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया । अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में संस्थान के निदेशक डॉ वाय पी सिंह ने डॉ वार्ष्णेय जी का आभार जताते हुए उनके विचारों को संस्थान के अध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्रों के स्वस्थ जीवन के लिए परम उपयोगी बताया । स्वास्थ्य संरक्षण के क्षेत्र में उन्होंने आरोग्य भारती के प्रयासों की सराहना की । कार्यक्रम में संस्थान से डॉ अर्चना सिंह, डॉ सामंता साहू, डॉ मानिक कुमार, डॉ अम्बुज शर्मा, डॉ रेवा सिंह, डॉ जय प्रकाश त्रिपाठी एवं अंजेश कुमार सहित काशी प्रांत सचिव मनीष त्रिपाठी एवं बड़ी संख्या में संस्थान के छात्र उपस्थित रहे । धन्यवाद ज्ञापन डॉ उमेश शर्मा ने किया । संचालन डॉ विनोद शर्मा ने किया । अंत में काशी प्रांत के संगठन सचिव डॉ अजय मिश्रा ने शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन किया ।

बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा नई सरकार की हो प्राथमिकता : शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद

बांग्लादेश के सवा करोड़ हिंदुओं का हित हमारे लिए सर्वोपरि

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज / मथुरा । पुरी गोवर्धन पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देव तीर्थ जी महाराज आज प्रयागराज में थे। वह चित्रकूट के मडफा फोर्ट के पास निर्माणाधीन आश्रम में चल रहे 11 दिवसीय महायज्ञ और विशाल भण्डारा संपन्न होने के बाद मथुरा के गोवर्धन स्थित आश्रम जा रहे थे। इस दौरान बडी संख्या में शिष्यों ने स्वागत और अभिनंदन कर आशीर्वाद लिया।

पुरी गोवर्धन पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देव तीर्थ जी महाराज ने बांग्लादेश के ताजा घटनाक्रम और वहां रह रहे अल्पसंख्यक हिन्दुओं की स्थिति पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति से लेकर धार्मिक पदों की गरिमा तक पर अपनी बेबाक राय रखी।

शंकराचार्य ने ऐतिहासिक संदर्भों का हवाला देते हुए कहा कि आध्यात्मिक दृष्टि से बांग्लादेश गोवर्धन मठ के विशेष संरक्षित क्षेत्र के अंतर्गत आता है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के सवा करोड़ हिंदुओं का हित हमारे लिए सर्वोपरि है। राजनीतिक उथल-पुथल के बीच सनातनी समाज ने जिस साहस के साथ अपने मठ-मंदिरों की रक्षा की, वह वंदनीय है। उन्होंने तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की नई सरकार को बधाई देते हुए आह्वान किया कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और विकास के लिए सरकार को संवेदनशीलता दिखानी होगी।

ज्योतिर्मठ विवाद पर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देव तीर्थ महाराज ने कहा कि अदालत के फैसले का करें सम्मान उन्होंने कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से जुड़े हालिया विवाद और शंकराचार्य पद की वैधता पर उन्होंने कड़ा रुख अपनाया। स्वामी अधोक्षजानंद ने दो टूक कहा कि ज्योतिर्मठ का मामला वर्तमान में उच्चतम न्यायालय के विचाराधीन है। उन्होंने स्पष्ट किया, 'कि जब तक न्यायालय का अंतिम फैसला नहीं आता, तब तक किसी भी व्यक्ति को शंकराचार्य पद का दावा नहीं करना चाहिए।' उन्होंने संतों पर लग रहे आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि ऐसे विवादों से 'भगवा' और संत परंपरा की गरिमा को ठेस पहुंचती है। वैश्विक शांति पर चर्चा करते हुए शंकराचार्य ने तालिबान शासन पर एक चौंकाने वाला विश्लेषण दिया। उन्होंने कहा कि मुल्ला उमर के दौर की तुलना में वर्तमान तालबिान सरकार के व्यवहार में सुधार और बदलाव दिखा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यदि वहां अंतरराष्ट्रीय कानून और वैश्विक व्यवस्थाएं पूरी तरह लागू होती हैं, तो क्षेत्र में स्थिरता और शांति का माहौल बनेगा।

नकल कराते मिले शिक्षक पर दर्ज कराई गई रिपोर्ट 5648 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी का पेपर छोड़ा, 333 केंद्रों पर हुई परीक्षा

कड़ेदीन सिंह स्मारक इंटर कालेज के केंद्र व्यवस्थापक पर भी एफआइआर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की परीक्षा में सोमवार को प्रयागराज जिले के दूसरी पाली की परीक्षा में कड़ेदीन सिंह स्मारक इंटर कालेज मदारी, मऊआइमा में उड़ाकादल ने नकल का मामला पकड़ा। नकल कराने के आरोप में कक्ष निरीक्षक वेद व्यास मिश्र को हिरासत में लेते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई गई। उनके पास से प्रश्नों के उत्तर लिखे कुछ पन्ने मिले। उन पर गणित और जीव विज्ञान की परीक्षा देने वाले परीक्षार्थियों को नकल कराने का आरोप है। केंद्र व्यवस्थापक बृजराज के खिलाफ भी रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस को वाह्य केंद्र व्यवस्थापक सुचित शर्मा की ओर से तहरीर दी गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह की ओर से यह जानकारी दी गई कि अन्य केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से हुई। जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह ने बताया कि पहली पाली में हाईस्कूल की अंग्रेजी विषय की परीक्षा हुई। 87236 विद्यार्थी पंजीकृत थे लेकिन 81588 ने परीक्षा दी और 5648 ने पेपर छोड दिया। इसी पाली में इंटर मीडिएट की फल एवं खाद्य संरक्षण, पाक शास्त्र, परिधान रचना एवं सज्जा, धुलाई तथा रंगाई, बेकिंग तथा कन्फेक्शनरी, टेक्सटाइल डिजाइन, बुनाई तकनीक, नर्सरी शिक्षण का प्रशिक्षण एवं शिशु प्रबंधन जैसे विषयों की परीक्षा हुई। इसके लिए 546 विद्यार्थी पंजीकृत थे जबकि 528 ने परीक्षा में हिस्सा लिया। 18 विद्यार्थी परीक्षा देने के लिए नहीं पहुंचे। जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह ने बताया कि आज की दूसरी पाली में इंटरमीडिएट की जीव विज्ञान और गणित विषय की परीक्षा कराई गई। 73669 छात्र छात्राओं का पंजीकरण था लेकिन परीक्षा 69079 विद्यार्थी ही परीक्षा देने के लिए आए। 4590 छात्रों ने पेपर छोड़ दिया। कुल सात सचल दल सक्रिय रहे। दूसरी पाली में 330 केंद्रों पर ही परीक्षा हुई जबकि पहली पाली में सभी 333 केंद्रों पर परीक्षा कराई गई।

अन्यायपूर्ण टेट अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य किया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले प्रदेश के अग्रणी मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठनों ने आंदोलन के दूसरे चरण में अपने बांहों पर काली पट्टी बांध कर शिक्षण कार्य किया। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ, उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ और उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ ने संयुक्त रूप से इस चरणबद्ध आंदोलन में भागीदारी कर रहे हैं।ध्यातव्य है कि टेट लागू होने के पूर्व के शिक्षक सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले से प्रभावित हो रहे हैं।प्रभावित केंद्र सरकार से अध्यादेश के माध्यम से टेट लागू होने के पहले नियुक्त शिक्षकों को इससे छूट देने की मांग कर रहे हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालय सुजौना जसरा-प्रयागराज के शिक्षकों श्यामाकांत द्विवेदी, भारतेन्द्र त्रिपाठी, नाज़िया सुल्ताना, जितेन्द्र कुमार शर्मा, आशीष कुमार गुप्ता, शरद कुमार, पूनम तिवारी ने इस आंदोलन में शामिल होकर इस अव्यावहारिक कानून को निरस्त करने की मांग किया है।

गंगा ऋषिकुलम स्कूल का 11वां वार्षिकोत्सव भव्यता के साथ संपन्न

बच्चे देश के भविष्य उप कमांडेंट श्रीनिवास

मंत्र भारत संवाददाता

फाफामऊ (प्रयागराज)। गंगा ऋषिकुलम स्कूल का 11वां वार्षिकोत्सव सोमवार को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सभागार में भव्यता और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। सुसज्जित मंच, आकर्षक प्रकाश व्यवस्था और छात्रों की मनोहारी प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप कमांडेंट श्रीनिवास (सीआरपीएफ, पंडिला) ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि संस्कार, अनुशासन और समर्पण से युक्त शिक्षा ही बच्चों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने योग्य बनाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने की प्रेरणा दी और अभिभावकों से भी बच्चों में नैतिक मूल्यों के संवर्धन पर बल देने का आह्वान किया।विशिष्ट अतिथि हर्षवर्धन बाजपेई (विधायक, शहर उत्तरी) ने विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि मजबूत शिक्षा व्यवस्था से ही सशक्त समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों के प्रयासों की प्रशंसा की तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को समय की आवश्यकता बताया वार्षिकोत्सव में छात्रों ने नृत्य, गीत और नाट्य प्रस्तुतियों से दर्शकों की भरपूर सराहना बटोरी। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के निदेशक मत्स्येंद्र द्विवेदी एवं प्रधानाचार्या प्रतिभा त्रिपाठी ने अतिथियों, अभिभावकों और उपस्थित जनसमूह के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सुरेश चंद्र त्रिपाठी विधायक प्रतिनिधि अरुण शुक्ला मुकेश शुक्ला शिक्षिका वीना मीना सुप्रिया गीता पूजा सुप्रिया सहित विद्यालय के समस्त शिक्षण स्टाफ व बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे।

सीएम योगी एवं मंत्री नन्दी का सिंगापुर दौरा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने सिंगापुर में कौशल विकास एवं प्रशिक्षण विषयक विस्तृत प्रस्तुति का अवलोकन किया एवं कॉलेज के अत्याधुनिक प्रशिक्षण परिसरों का भ्रमण किया।

इस अवसर पर तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा, एविएशन स्किल्स एवं उद्योग-संरेखित प्रशिक्षण के क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग को सुदृढ़ बनाने हेतु महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (श्दळे) पर हस्ताक्षर संपन्न हुए। यह पहल उत्तर प्रदेश में तीव्र गति से विकसित हो रहे आधारभूत ढांचे एवं रोजगार पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त समर्थन प्रदान करेगी।

इस दौरान इन समझौतों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाते हुए उनके शीघ्र एवं सफल क्रियान्वयन का आश्वासन दिया गया।

इसके उपरांत परिसर एवं एविएशन हब की अत्याधुनिक सुविधाओं का अवलोकन कर उद्योग-एकीकृत कौशल विकास के उन्नत एवं व्यवहारिक मॉडलों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

सिंगापुर दौरे के पहले दिन यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप के साथ हुए 6, 650 करोड़ रुपये के 3 एमओयू

जेवर एयरपोर्ट क्षेत्र, कानपुर-लखनऊ हाईवे और नोएडा/ग्रेटर नोएडा में विकसित होंगी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर दौरे के पहले ही दिन उत्तर प्रदेश सरकार को बड़ी सफलता मिली है। यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप ने प्रदेश में कुल 6, 650 करोड़ रुपये के निवेश के लिए तीन महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। ये निवेश ग्रुप हाउसिंग, लॉजिस्टिक्स और हाइपरस्केल डेटा सेंटर जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में होंगे। इन तीनों परियोजनाओं से 20 हजार से अधिक रोजगार भी सृजित होंगे।

सिंगापुर दौरे के पहले दिन हुए ये तीन एमओयू प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने, शहरी विकास को नई दिशा देने और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माने जा रहे हैं। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में जेवर एयरपोर्ट के करीब 100 एकड़ भूमि पर अंतरराष्ट्रीय थीम आधारित टाउनशिप विकसित की जाएगी। इस परियोजना में 3, 500 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है और इसके धरातल पर उतरने के साथ ही लगभग 12, 000 लोगों को रोजगार मिलेगा। इस परियोजना को 2027 में शुरू किए जाने की योजना है। यह परियोजना जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्र को नई पहचान देगी। दूसरी परियोजना कानपुर-लखनऊ हाईवे पर 50 एकड़ भूमि में लॉजिस्टिक्स पार्क के विकास से संबंधित है। इस परियोजना में 650 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है और लगभग 7, 500 रोजगार सृजित होने का अनुमान है। इसको भी 2027 में शुरू किए जाने की योजना है।

तीसरी परियोजना के तहत नोएडा/ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 10 एकड़ भूमि पर 40 मेगावाट आईटी पावर क्षमता वाला हाइपरस्केल डेटा सेंटर पार्क स्थापित किया जाएगा। इस परियोजना में 2, 500 करोड़ रुपये का निवेश होगा और लगभग 1, 500 लोगों को रोजगार मिलेगा। एमओयू के अनुसार प्रोजेक्ट को वर्ष 2028 में शुरू करने की योजना है। यह निवेश उत्तर प्रदेश को देश के अग्रणी डेटा सेंटर हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

फिज़िक्सवाला के 15 छात्रों ने जेईई मेन 2026 (सेशन 1) में 98.5 फीसदी पर्सेंटाइल हासिल की

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज निवासी कार्तिकेय कुमार श्रीवास्तव ने जेईई मेन 2026 सेशन 1 परीक्षा में 99.52 पर्सेंटाइल प्राप्त की। वे प्रयागराज में फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) के उन 15 छात्रों में शामिल हैं,

जिन्होंने इस सेशन में 98.5 या उससे अधिक पर्सेंटाइल हासिल की। शहर के अन्य उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पीडब्ल्यू छात्रों में अखिल कुमार तिवारी (99.52 पर्सेंटाइल) और युग सिंह (99.49 पर्सेंटाइल) भी शामिल हैं।

हस्तशिल्पियों को उन्नत टूल का वितरण हेतु लाभार्थी करें आवेदन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। कार्यालय विकास आयुक्त हस्तशिल्प वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से प्रोड्यूसर कंपनी पांडिला टेराकोटा हैंडीक्राफ्ट प्रोड्यूसर कंपनी द्वारा टेराकोटा क्लस्टर के विकास हेतु स्वीकृत परियोजना के अंतर्गत उन्नत अल का वितरण वैशाली गेस्ट हाउस फाफामऊ प्रयागराज में किया गया इस अवसर पर श्री विशाल वर्मा हस्तशिल्प विपणन अधिकारी मौजूद रहे कंपनी के निदेशक द्वारा बताया गया कि कार्यालय विकास आयुक्त भारत सरकार के सहयोग से हमने मंडल टेराकोटा हैंडीक्राफ्ट प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड बनाया है जिसमें पांच निदेशक एवं अन्य 10 सदस्य हैं इस कंपनी के सहयोग से इससे पूर्व डिजाइन डेवलपमेंट परियोजना उद्यमिता विकास कार्यक्रम का संचालन टेराकोटा हासिल पो हेतु किया गया है।

जिसमें 100 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है इसी क्रम में हम आज प्रोड्यूसर कंपनी से जुड़े हुए हस्तशिल्पियों को आज उन्नत टूल का वितरण करने जा रहे हैं श्री विशाल वर्मा द्वारा बताया गया कि उन्नत टोल वितरण का उद्देश्य आपकी क्षमता वर्धन के साथ-साथ उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार लाना भी है आप सभी इलेक्ट्रिक चाक के माध्यम से अपने उत्पादन की गुणवत्ता उत्पादकता में सुधार लाएंगे जिससे निश्चित रूप से आपकी कंपनी एवं आपकी आय में वृद्धि होगी वर्तमान में हस्तशिल्पियों हेतु पुरस्कार का आवेदन चल रहा है इसमें से जो दक्ष हस्तशिल्प हैं वे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं जिसमें वह कार्यालय अथवा अपनी कंपनी का सहयोग प्राप्त कर सकते हैं आज के दिन प्रोड्यूसर कंपनी से जुड़े हुए 100 हस्तशिल्पियों को उन्नत टूल का वितरण किया जाएगा टूल वितरण के दौरान प्रोड्यूसर कंपनी के निदेशक श्री हिमांशु सिंह अनिल प्रजापति एवं एवं प्रोड्यूसर कंपनी से जुड़े हुए सदस्य एवं अन्य निदेशक उपस्थित रहे

एक हार से फंस गई टीम इंडिया, अब 2 मैच जीतकर भी सेमीफाइनल की सीट नहीं कन्फर्म, समझें पूरा समीकरण

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप स्टेज में अजेय रहने वाली भारतीय टीम को सुपर-8 के अपने पहले ही मुकाबले में साउथ अफ्रीका के हाथों करारी शिकस्त झेलनी पड़ी है. अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम मंल खेले गए इस मैच में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम एडेन मार्करम की प्रोटियाज टीम के सामने हर विभाग में उन्नीस साबित हुई. इस हार ने न केवल भारत के विजय रथ को रोका है, बल्कि उनके सेमीफाइनल के दावों पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. अब बाकी बचे दो मैच टीम इंडिया के लिए करो या मरो वाले हो गए हैं. इसके अलावा नेट रनरेट का भारी दबाव भी झेलना पड़ेगा.

दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए डेविड मिलर (63) के अर्धशतक की मदद से 187 रन बनाए, जिसके जवाब में भारतीय टीम महज 111 रनों पर सिमट गई. भारत 76 रन से मैच हार गया. इस भारी अंतर से मिली हार का सबसे बुरा असर भारत के नेट रन रेट (ें) पर पड़ा है, जो गिरकर अब -3.800 हो गया है. ग्रुप-ए की पॉइंट्स टेबल में भारत अब सबसे निचले पायदान पर है, जबकि दक्षिण अफ्रीका शीर्ष पर पहुंच गया है. विशेषज्ञों का मानना है कि भारत ने इस मैच में बहुत ज्यादा गलती की है, क्योंकि इतनी बड़ी हार से उबरना किसी भी टीम के लिए बेहद मुश्किल होता है. टूर्नामेंट के इस चरण में जहां शीर्ष दो टीमें ही आगे बढ़ेंगी, वहां इतना खराब नेट रनरेट भारत के लिए घातक साबित हो सकता है. भारत का सेमीफाइनल समीकरण अब पूरी तरह से उनके अपने हाथ में नहीं रहा है. यदि भारत अपने अगले दो मैचों में वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे को हरा भी देता है, तो उसके 4 अंक होंगे. यदि साउथ अफ्रीका या वेस्टइंडीज में से कोई और टीम भी 4 अंकों तक पहुंच जाती है, तो फैसला नेट रन रेट पर होगा. भारत का नेट रनरेट फिलहाल इतना कम है कि वह तीन टीमों के बीच होने वाले 'टाई' में पिछड़ सकता है. अब भारत को न केवल जीतना होगा।

हार्पिक ने नया हार्पिक बाथरूम अल्ट्रा क्लीनर लॉन्च किया

रोहित शेट्टी का ब्रांड एंबेसडर के रूप में स्वागत

वाराणसी। हार्पिक, जो भारत का नंबर 1 टॉयलेट और बाथरूम क्लीनर है और 100 मिलियन से अधिक घरों द्वारा भरोसेमंद होम हाइजीन सॉल्यूशंस का अग्रणी ब्रांड है, ने अपने अब तक के सबसे उन्नत बाथरूम क्लीनिंग इनोवेशन न्यू हार्पिक बाथरूम अल्ट्रा क्लीनर के लॉन्च की घोषणा की।

जाने अनजाने हम मिले में रहस्यमयी अंदाज़ में लौटीं जयती भाटिया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ज़ी टीवी का शो जाने अनजाने हम मिले, जिसमें भरत अहलावत (राघव) और आयुषी खुराना (रीत) नजर आ रहे हैं, अब कहानी में एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ लेकर आ रहा है। जानी-मानी एक्ट्रेस जयती भाटिया की दमदार वापसी के साथ शो में ड्रामा और सस्पेंस दोनों और बढ़ने वाले हैं। आगे क्या होगा, जानने के लिए देखते रहिए 'जाने अनजाने हम मिले', रोज रात 10:30 बजे, सिर्फ ज़ी टीवी पर।

भिवंडी की पत्थर खदानें बनीं मौत का कुंआ, सुरक्षा इंतजाम नदारद, प्रशासन मौन

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में संचालित पत्थर खदानें अब लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रही हैं। खदानों में सुरक्षा इंतजामों की भारी अनदेखी के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं और लोगों की जान जा रही है, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन की ओर से ठेकेदारों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसे लेकर स्थानीय लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पत्थर तोड़ने वाले ठेकेदार खदानों से बड़े पैमाने पर पत्थर निकालकर बेचते हैं और बाद में गहरे खड्डे बनाकर उन्हें खुला छोड़ देते हैं। बारिश के बाद इन खड्डों में पानी भर जाता है, जो तालाब का रूप ले लेता है। गर्मी के मौसम में बच्चे और युवक यहां नहाने पहुंचते हैं और डूबने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। पिछले तीन महीनों में चार बच्चों की खदानों में भरे पानी में डूबने से मौत हो चुकी है, जिसका मुख्य कारण सुरक्षा व्यवस्था का अभाव बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार भिवंडी शहर और तालुका क्षेत्र में कई दर्जन पत्थर खदानें हैं। शहर के अंदर की अधिकांश खदानें बंद हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 20 खदानें सक्रिय हैं। इन खदानों का ठेका ठाणे जिलाधिकारी कार्यालय द्वारा एक, तीन और पांच वर्ष की अवधि के लिए दिया जाता है। ठेकेदार पहाड़ों को तोड़कर पत्थर निकालते हैं और उसकी रॉयल्टी सरकार को जमा करनी होती है।

हालांकि बरसात के मौसम में खनन पर रोक रहती है, इसके बावजूद अवैध उत्खनन जारी रहने की शिकायतें सामने आती रही हैं। सूत्रों के अनुसार खदान ठेकेदारों द्वारा रॉयल्टी में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की जाती है। एक ट्रक पर लगभग 1200 रुपये रॉयल्टी निर्धारित है, लेकिन आरोप है कि सैकड़ों गाड़ियों में पत्थर निकालने के बावजूद बहुत कम गाड़ियों की ही रॉयल्टी जमा की जाती है। कई मामलों में रॉयल्टी चोरी करते हुए वाहन पकड़े जाने पर सख्त कार्रवाई के बजाय जुर्माना लेकर छोड़ दिया जाता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस पूरे मामले में खनन विभाग की मिलीभगत से इनकार नहीं किया जा सकता।

समाजसेवक परमेश्वर अंभोरे ने आरोप लगाया कि खदानों में सुरक्षा नियमों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। खनन के बाद बने गहरे गड्ढों को न तो भरा जाता है और न ही वहां खतरे की चेतावनी वाले बोर्ड लगाए जाते हैं। खदानों में सुरक्षा घेराबंदी तक नहीं की जाती, जिससे हादसों का खतरा बना रहता है। उनका कहना है कि खदानों में विस्फोटक सामग्री से पत्थर तोड़े जाते हैं और बाद में मशीनों से उन्हें छोटे टुकड़ों में काटकर बाजार में बेचा जाता है, जिससे पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है।हाल ही में भंडारी कंपाउंड के 72 गाला इलाके की एक पत्थर खदान में जमा पानी से रोशन पासवान (21) का शव बरामद किया गया। वह तीन दिन से लापता था। इससे पहले अंजुरफाटा के न्यू ओसवाल पार्क इलाके में रहने वाले दो चचेरे भाइयों की खदान में डूबने से मौत हो गई थी। वहीं कालवार गांव की एक खदान में नहाने गए दो मासूम बच्चों की भी डूबने से जान चली गई थी। लगातार हो रही इन घटनाओं के बावजूद ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ऐसे मामलों में पुलिस अक्सर आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर अपनी कार्रवाई पूरी कर लेती है, जबकि खदान संचालकों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती। इस संबंध में तहसीलदार अभिजीत खोले ने बताया कि खदानों का ठेका देने और रॉयल्टी वसूली की जिम्मेदारी जिलाधिकारी कार्यालय की है। उन्होंने कार्रवाई के संबंध में कोई जानकारी देने से इनकार करते हुए जिलाधिकारी से संपर्क करने की बात कही। वहीं जिलाधिकारी से संपर्क नहीं हो सका।

भिवंडी में दो अलग-अलग ठगी के मामले दर्ज...

कंपनी की पॉलिसी रकम 5.31 लाख की ठगी, मेडिकल कॉलेज में एडमिशन के नाम पर 34.42 लाख हड़पे

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी के कोनगांव और नारपोली पुलिस थाना क्षेत्रों में ठगी के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। दोनों मामलों में आरोपियों ने झांसा देकर लाखों रुपये हड़प लिए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहली घटना कोनगांव पुलिस स्टेशन क्षेत्र की है। कल्याण पूर्व के वसंत वाटिका निवासी 38 वर्षीय मनोज मनोहर ताम्हाणेकर ने ठाकुर पाडा निवासी इफ्तेकार अबरार शेख के खिलाफ कंपनी की रकम हड़पने की शिकायत दर्ज कराई है,शिकायत के अनुसार आरोपी सरवली स्थित रिजेट टोयोटा कंपनी के वर्कशॉप में कार्यरत था। इस दौरान उसने ग्राहकों से बीमा पॉलिसी कराने के नाम पर पैसे वसूले। आरोप है कि आरोपी ने 5 लाख 31 हजार 921 रुपये नकद लेकर कंपनी के खाते में जमा नहीं किए और रकम का निजी उपयोग कर लिया। पीड़ित की शिकायत पर कोनगांव पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अमानत में खयानत और धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दूसरी घटना नारपोली पुलिस स्टेशन क्षेत्र की है। यहां मेडिकल स्टोर संचालक 64 वर्षीय राजेश मुकनाराम चौधरी ने बालकुम पाडा निवासी प्रशांत गोविंदराव महाजन के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार आरोपी ने पीड़ित के बेटे को मेडिकल कॉलेज में प्रवेश दिलाने का झांसा देकर भरोसा जीता और अलग-अलग समय पर गूगल पे तथा नकद के माध्यम से 34 लाख 42 हजार 990 रुपये ले लिए। आरोप है कि पैसे लेने के बाद आरोपी ने न तो मेडिकल कॉलेज में प्रवेश दिलाया और न ही रकम वापस की। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने नारपोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों मामलों में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

भिवंडी में 13 वर्षीय किशोरी लापता,अपहरण का मामला दर्ज.....

भिवंडी। भिवंडी के शांतिनगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र से 13 वर्षीय किशोरी के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गायत्रीनगर की चॉल में रहने वाली 13 वर्षीय किशोरी 22 फरवरी की रात करीब 8:30 बजे कपड़े लेने की बात कहकर घर से बाहर गई थी, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। शिकायत में आशंका जताई गई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। घटना के बाद परिजनों ने शांतिनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। किशोरी की तलाश के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं और मामले की जांच जारी है।

भिवंडी में आपसी विवाद में मारपीट, परस्पर केस दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी।भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के नेहरू नगर, नविवस्ती स्थित मीट वाली चॉल इलाके में आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। घटना में दोनों पक्षों के लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर परस्पर मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है,पुलिस के अनुसार 22 फरवरी की सुबह करीब 8 बजे एक घर के सामने लगे सीमेंट पर पैर रखने की बात को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया।

एक पक्ष की ओर से 36 वर्षीय महिला ने इमरान खान, इरफान खान, फैजल खान और शाहरूख खान के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि विवाद के दौरान आरोपियों ने उसके बेटे सोनू के साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने आए आयान और चांदअली पर भी लकड़ी के डंडे और लोहे के टुकड़े से हमला कर उन्हें घायल कर दिया गया। साथ ही गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से 19 वर्षीय फैसल उल्ली खान ने सोनू के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। शिकायत में कहा गया है कि विवाद के दौरान सोनू ने लकड़ी के डंडे से उसके सिर पर हमला कर उसे घायल कर दिया। बीच-बचाव करने आए परिजनों के साथ भी मारपीट की गई, जिससे एक महिला गिरकर घायल हो गई।भिवंडी शहर पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत परस्पर मामले दर्ज कर लिए हैं। पुलिस के अनुसार घटना आपसी विवाद से जुड़ी है और मामले की जांच जारी है।

गर्म कड़ाही के पास 12 साल का मासूम....

वड़ापाव दुकान पर बाल मजदूरी का भंडाफोड़

भिवंडी। भिवंडी के निजामपुरा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में वड़ापाव की दुकान पर 12 वर्षीय नाबालिग से खतरनाक परिस्थितियों में काम कराने का मामला सामने आया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुकान संचालक के खिलाफ बाल मजदूरी का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 21 फरवरी की रात करीब 8 बजे मीठपाडा रोड स्थित अदित्य होटल के पास एक वड़ापाव की दुकान पर निरीक्षण के दौरान एक नाबालिग लड़का काम करते हुए मिला। जांच में पाया गया कि बालक गैस शेगड़ी के पास गर्म कड़ाही में वड़े तलने का काम कर रहा था, जो बच्चों के लिए खतरनाक श्रेणी में आता है। पूछताछ में नाबालिग ने अपना नाम जावेद (काल्पनिक नाम) और उम्र 12 वर्ष बताई। उसने बताया कि वह पिछले करीब दो महीनों से दुकान पर काम कर रहा था और उसे प्रतिदिन लगभग 250 रुपये मजदूरी दी जाती थी। पुलिस के अनुसार दुकान संचालक रियाज अब्दुल रऊफ सिद्दीकी (22) ने बिना किसी वैध अनुमति के नाबालिग को काम पर रखा था। पुलिस का कहना है कि गर्म तेल और गैस चूल्हे के पास काम कराना बालक के जीवन और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा था।निजामपुरा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बालकामगार प्रतिबंध अधिनियम तथा किशोर न्याय अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार मामले की जांच जारी है।

गुजरात में भारतीय रेलवे के रिकॉर्ड निवेश से अवसंरचना विकास को नई रफ्तार

17,366 करोड़ का ऐतिहासिक आवंटनः कनेक्टिविटी और सुरक्षा का होगा विस्तार सुरक्षा, बुलेट ट्रेन और आधुनिक स्टेशनों से राज्य में रेल परिवहन का नया युग

भारतीय रेलवे ने गुजरात में रिकॉर्ड बजटीय आवंटन और तीव्र अवसंरचना विकास के माध्यम से रेल परिवहन के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। ?17,366 करोड़ के ऐतिहासिक बजट आवंटन के साथ राज्य में आधुनिक, सुरक्षित और यात्री-केंद्रित रेल नेटवर्क के विकास को अभूतपूर्व गति मिली है।

वर्ष 2009-14 के दौरान गुजरात के लिए औसत वार्षिक रेल बजट आवंटन ?589 करोड़ था, जो वर्ष 2026-27 में बढ़कर ?17,366 करोड़ हो गया है। यह लगभग 29 गुना वृद्धि राज्य में कनेक्टिविटी, क्षमता विस्तार और रेल अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

गुजरात में वर्तमान में ?1,28,748 करोड़ की लागत से रेलवे अवसंरचना परियोजनाएं प्रगति पर हैं। इनमें नई रेल लाइनों का निर्माण, स्टेशनों का पुनर्विकास तथा प्रमुख सुरक्षा उन्नयन शामिल हैं, जो दीर्घकालिक क्षमता वृद्धि और परिचालन दक्षता सुनिश्चित करेंगे।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के अंतर्गत पश्चिमी फ्रेट कॉरिडोर दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और पंजाब को जोड़ता है। सूरत में पूर्वी और पश्चिमी फ्रेट कॉरिडोर को जोड़ा जाएगा तथा वहां एक महत्वपूर्ण जंक्शन विकसित किया जाएगा।

यह पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर गुजरात के पश्चिमी तट के बंदरगाहों को देश के विभिन्न राज्यों से जोड़ेगा। इसके माध्यम से मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश को भी बेहतर कनेक्टिविटी प्राप्त होगी।

गुजरात ने 100इ रेल विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया है। राज्य में 87 स्टेशनों पर निर्माण कार्य जारी है। अहमदाबाद-मुंबई हाई-स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना तीव्र गति से प्रगति कर रही है। दूसरी सुरंग की ब्रेकथ्रू प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण होगी तथा व्यावसायिक संचालन अगले वर्ष प्रारंभ करने का लक्ष्य निर्धारित है। प्रधानमंत्री के सतत मार्गदर्शन और नियमित समीक्षा के अंतर्गत टीम निरंतर कार्यरत है।

बुलेट ट्रेन परियोजना देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसमें आधुनिक निर्माण तकनीक, उन्नत प्रौद्योगिकी और विशेष ट्रैक प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है।

अमृत स्टेशन योजना के तहत गुजरात के 87 रेलवे स्टेशनों को ?6,058 करोड़ की लागत से व्यापक पुनर्विकास हेतु चिन्हित किया गया है। इनमें से 19 स्टेशनों- सामाख्याली, डाकोर, हापा, जाम जोधपुर, मोरबी, ओखा, पालीताना और पोरबंदर सहित का पुनर्विकास कार्य पूर्ण हो चुका है। इससे यात्री सुविधाओं और स्टेशनों की सौंदर्यात्मक गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

आधुनिक ट्रेन सेवाओं की शुरुआत से गुजरात में यात्रियों की सुविधा और यात्रा दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्तमान में राज्य में संचालित हैंः

6 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें

1 अमृत भारत एक्सप्रेस

1 नमो भारत एक्सप्रेस

ये सेवाएं यात्रियों को ते ज़, सुरक्षित और अधिक आरामदायक यात्रा विकल्प प्रदान कर रही हैं।

वर्ष 2014 के बाद से गुजरात के रेलवे नेटवर्क का तीव्र विस्तार हुआ है। लगभग 2,900 किलोमीटर नई रेलवे लाइनें बिछाई गई हैं, जो कई यूरोपीय देशों के कुल रेल नेटवर्क से अधिक है। राज्य में 4,005 किलोमीटर रेल मार्गों का 100इ विद्युतीकरण पूर्ण हो चुका है, जिससे हरित और ऊर्जा-कुशल संचालन सुनिश्चित हुआ है। इसके अतिरिक्त, लेवल क्रॉसिंग समाप्त करने के उद्देश्य से 1,177 फ्लाईओवर और अंडरपास बनाए गए हैं, जिससे सुरक्षा में वृद्धि और सड़क-रेल यातायात में सुगमता आई है।

रेल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भारतीय रेलवे गुजरात में स्वदेशी 'कवच' ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम लागू कर रहा है। स्वीकृत 1,842 रूट किलोमीटर में से 96 रूट किलोमीटर पर 'कवच' स्थापित किया जा चुका है, जबकि 1,674 रूट किलोमीटर पर कार्य प्रगति पर है। यह रेल सुरक्षा मानकों में महत्वपूर्ण उन्नति को दर्शाता है।

रिकॉर्ड निवेश, आधुनिक स्टेशन, प्रीमियम ट्रेन सेवाएं, पूर्ण विद्युतीकरण और उन्नत सुरक्षा प्रणालियों के साथ भारतीय रेलवे गुजरात के अवसंरचना विकास और समग्र सामाजिक-आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे ने वडोदरा मंडल के दो कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेलवे के संचालन में संरक्षा सर्वोपरि होती है और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक कर्मचारी की सजगता एवं सतर्कता अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक (प्रभारी) प्रदीप कुमार ने वडोदरा मंडल के दो रेल कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए 'मैन ऑफ द मंथ' संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया। ये पुरस्कार जनवरी 2026 के दौरान ड्यूटी पर रहते हुए सतर्कता दिखाने और संभावित दुर्घटनाओं को समय रहते टालने में अहम भूमिका निभाने के लिए प्रदान किए गए।

पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारी (1) अनूप कुमार मीना, पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के गोधरा गुड्स लोको पायलट ,के पद पर कार्यरत हैं। 3 जनवरी को टीएसएसडब्ल्यू में, ट्रेन के साइड बेयरर की जीडीआर जाँच के दौरान, वैगन अपनी निर्धारित स्थिति से खिसकी हुई पाई गई,जो आगे संचालन हेतु असुरक्षित थी। तदनुसार उक्त ट्रेन को आगे चलने के लिए अनुपयुक्त घोषित करते हुए संबंधित वैगन को ट्रेन से अलग कर दिया गया। इस संबंध में तत्काल स्टेशन मास्टर- बनाकबोरी एवं कंट्रोल-वडोदरा को सूचना दी गई। वैगन की पूर्णतः जाँच की गई तथा उसकी असुरक्षित स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए उसे हटाया गया।

उनकी समयोचित,सतर्क एवं जिम्मेदार कार्रवाई से कार्य के प्रति उनकी तत्परता एवं ईमानदारी परिलक्षित होती है, जिसके परिणामस्वरूप ट्रेन को लाइन पर किसी भी संभावित अप्रिय घटना से सुरक्षित रखा जा सका।

(2) चंद्र कान्त सिंह वडोदरा में (ट्रेन मैनेजर),के पद पर कार्यरत हैं। दिनांक 11.01.2026 को, जीडीआर करते समय चंद्र कान्त सिंह ने रेक का सावधानीपूर्वक निरीक्षण किया तथा अंकलेश्वर पर एक वैगन में फ्लैट टायर पाया। दोष की गंभीरता एवं उससे उत्पन्न संभावित सुरक्षा खतरे को समझते हुए उन्होंने तत्काल संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया और शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की। परिणामस्वरूप,कैरिज एंड वैगन स्टाफ द्वारा भरूच पर उक्त डिफेक्टिव वैगन को अलग कर दिया गया,जिससे ट्रेन संचालन से संबंधित किसी भी प्रकार के जोखिम को पूर्णतः समाप्त कर दिया गया। उनके द्वारा समय रहते डिफेक्ट का पता लगाना एवं सुरक्षा की दृष्टि से की गई त्वरित कार्यवाही से एक संभावित असुरक्षित घटना टल गई,जिससे रोलिंग स्टॉक की सुरक्षा तथा ट्रेन संचालन की सुचारुता सुनिश्चित हुई।

सतर्कता,तकनीकी दक्षता एवं कर्तव्यनिष्ठा अत्यंत सराहनीय है तथा यह उनके तथा भारतीय रेल की प्रतिष्ठा में वृद्धि करती है। महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों की सतर्कता की सराहना करते हुए कहा कि ये सभी कर्मचारी अपने कार्य के प्रति समर्पित रहकर दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बने हैं। पश्चिम रेलवे को अपने ऐसे कर्मचारियों पर गर्व है, जो विषम परिस्थितियों में भी धैर्य और समझदारी के साथ कार्य करते हैं और रेल संचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत प्रयासों की सराहना है, बल्कि यह पश्चिम रेलवे की उस संस्कृति को भी प्रतिबिंबित करता है, जहाँ संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है।

भिवंडी में गर्भवती महिला से मारपीट, गर्भपात का आरोप

दूसरी घटना में घर में घुसकर छेड़छाड़....

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में महिलाओं से मारपीट और छेड़छाड़ की दो घटनाएं सामने आई हैं। दोनों मामलों में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहली घटना शांतिनगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र की है, जहां एक गर्भवती महिला के साथ मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने तीन महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 17 फरवरी की रात करीब 8 बजे हनुमान मंदिर के सामने स्थित एक किराना दुकान के पास गायत्रीनगर इलाके में घटना हुई। शिकायतकर्ता महिला का आरोप है कि पुराने विवाद की रंजिश को लेकर आरोपी महिलाओं ने उसे घेरकर मारपीट की। इस दौरान एक आरोपी महिला ने उसके पेट पर हाथ से वार किया, जिससे उसे गंभीर चोट लगी। पीड़िता के अनुसार मारपीट के बाद उसके पेट में तेज दर्द शुरू हुआ और बाद में उसका गर्भपात हो गया। घटना के बाद महिला ने शांतिनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जोहरा बानो सहित तीन महिलाओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दूसरी घटना नारपोली पुलिस स्टेशन क्षेत्र के कशेली गांव की है, जहां 30 वर्षीय महिला ने पड़ोस में रहने वाले एक युवक और उसके पिता पर घर में घुसकर छेड़छाड़ और गाली-गलौज करने का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार 2 अक्टूबर 2025 से 21 फरवरी 2026 के बीच आरोपी कई बार घर में घुस आया। एक बार जब वह अपने बेडरूम में पूजा-पाठ कर रही थी, तब आरोपी युवक जबरन अंदर घुस आया और उसका हाथ पकड़कर अश्लील हरकत करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने उसे धमकाया और अपशब्द कहे। पीड़िता का आरोप है कि 21 फरवरी की रात करीब 10 बजे आरोपी युवक फिर से घर में घुस आया और उसके पति से विवाद करने लगा। इस दौरान आरोपी और उसके पिता ने दंपती को गालियां दीं और मारपीट की कोशिश की, जिससे परिवार में दहशत का माहौल बन गया। पुलिस ने विकी केशरीनाथ म्हात्रे और केशरीनाथ पंढरीनाथ म्हात्रे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि दोनों मामलों की जांच जारी है।

भिवंडी में तेज रफ्तार कार की टक्कर से युवक की मौत, चालक फरार

भिवंडी।भिवंडी में तेज रफ्तार अज्ञात चारपहिया वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। भिवंडी शहर पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है,पुलिस के अनुसार मृतक रोहित राजेंद्र खैरणार (28) भादवड़ गांव स्थित अटलांटा टॉवर इलाके का निवासी था। 16 दिसंबर 2025 की रात वह अपनी बजाज पल्सर मोटरसाइकिल (MH-04 MV-5884) से भिवंडी से कल्याण की ओर जा रहा था। बताया जाता है कि कल्याण नाका पुल पर सामने से आ रही एक तेज रफ्तार अज्ञात कार ने उसकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि रोहित मोटरसाइकिल समेत पुल के डिवाइडर से टकराकर नीचे सड़क पर जा गिरा। हादसे में उसके कंधे की हड्डी, दोनों पैर और फ्रैक्चर हो गए तथा सीने में गंभीर चोट आई। गंभीर रूप से घायल रोहित को उपचार के लिए मुंबई के केईएम अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक बिना मदद किए मौके से फरार हो गया। भिवंडी शहर पुलिस ने अज्ञात चारपहिया वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार फरार चालक की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

प्रयागराज पुलिस के काशी पहुंचने पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद बोले- कहीं भाग नहीं रहा हूं, पूरा सहयोग करूंगा

प्रयागराज ।ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि अगर मेरे ऊपर कोई आरोप लगा है तो पुलिस इसकी जांच करवाए, हम पूरा सहयोग करने को तैयार हैं, ताकि जल्दी से मेरे ऊपर लगे कलंक का निस्तारण हो सके। कहा कि कहानी गढ़कर मेरे ऊपर झूठा आरोप लगाया गया है।

सोमवार को श्रीविद्या मठ में मीडिया से बातचीत में कहा कि जनता को उत्तर प्रदेश पुलिस पर विश्वास नहीं हैं, मेरे ऊपर लगे आरोपों की जांच उन प्रदेशों की पुलिस से कराई जाए, जो गैर भाजपा सरकार की हो। गिरफ्तारी को लेकर कहा कि गिरफ्तारी के लिए पुलिस के पास कोई साक्ष्य नहीं है। क्योंकि इसके सभी आरोप झूठे हैं।

कहा कि माघ मेले में तमाम सीसीटीवी लगे थे। उसकी जांच की जाए। कैमरा के जद में सब कुछ होगा, जो भी घटनाएं हुई होगी, वह प्रकाश में आ जाएगा। शंकराचार्य पर प्रयागराज माघ मेले में यौन शोषण के आरोप में वहां की पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में प्राथमिकी दर्ज की है। इस मामले में प्रयागराज पुलिस के वाराणसी पहुंचने को लेकर सोमवार को सुबह से ही केदारघाट स्थित श्रीमठ में गहमागहमी रही। उनकी गिरफ्तारी को लेकर चर्चाएं गर्म रही। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी प्रयागराज पुलिस के आने खबर है, लेकिन अभी आई नहीं है।

पुलिस का पूरा सहयोग करूंगा

कहा कि गिरफ्तारी का प्रश्न नहीं बनता है लेकिन गिरफ्तारी होगी तो उसके लिए भी तैयार हूं। गिरफ्तारी जो घटना हुई है उसका एविडेंस सुरक्षित रखने के दृष्टि से हो सकती है। लेकिन शिकायतकर्ता की ओर से इतने दिन बिता दिए गए हैं, हम कहीं भागे नहीं जा रहे हैं। ?इसलिए गिरफ्तारी का प्रश्न नहीं है। उसके बाद भी गिरफ्तारी होती है तो कालनेमि चाहता है कि समाज के सामने हमे दोषी सिद्ध किया जाए। कहा कि पुलिस का पूरा सहयोग करूंगा। पुलिस का कोई विरोध नहीं करेंगे। शंकराचार्य ने कालनेमि कहकर उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा।

टी20 विश्व कप : दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद बिगड़ा टीम इंडिया का खेल, अब नेट रन रेट का गणित ही बचाएगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत को न सिर्फ दक्षिण अफ्रीका से 76 रनों से हार का सामना करना पड़ा, बल्कि उसे वास्तविकता का भी सामना करना पड़ा। उसे यह एहसास हुआ कि शायद उसकी बल्लेबाजी की ताकत ऐसी पिचों के लिए तैयार नहीं थी। शायद पिछली द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में उसने कभी ऐसी परिस्थितियों का सामना नहीं किया था। इसके साथ ही प्रबल दावेदार मानी जा रही भारत की किस्मत 2026 टी20 विश्व कप के सुपर 8 दौर में दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी हार के बाद पूरी तरह पलट गई है।

मौजूदा चैंपियन भारत के पक्ष में इतिहास और हालिया प्रदर्शन था, लेकिन अहमदाबाद में दक्षिण अफ्रीका ने उन्हें पछाड़ते हुए अहम अंक हासिल किए और सेमीफाइनल की दौड़ में अपनी बढ़त बनाने के लिए नेट रन रेट को जबरदस्त बढ़ावा दिया। टी20 विश्व कप के दूसरे दौर के लिए आठ टीमें क्वालीफाई कर चुकी हैं और उन्हें दो समूहों में बांटा गया है। ग्रुप 1 में भारत, दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज सहित चार टीमें हैं, जबकि ग्रुप 2 में इंग्लैंड, श्रीलंका, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान शामिल हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप 1 में दो अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है और उसका राष्ट्रीय स्कोर 3.8 का शानदार है। भारत

इस समय सबसे निचले पायदान पर है और उसका राष्ट्रीय स्कोर -3.8 है। हां, दक्षिण अफ्रीका के आगे निकलने के बावजूद मुकाबला अभी भी खुला है। हालांकि, आगे बढ़ने के लिए भारत को जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज को हराना होगा, और वह भी बड़े अंतर से, ताकि अगर कई टीमें बराबर अंकों पर खत्म हों और नतीजा राष्ट्रीय स्कोर पर निर्भर करे, तो भारत के पास आगे निकलने के लिए पर्याप्त अंक हों।

इस विश्व कप से पहले कई द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में भारत एक के बाद एक प्रतिद्वंद्वी टीमों को बुरी तरह हरा रहा था। भारत मजे के लिए 220 से अधिक के स्कोर बना रहा था। वे मजे के लिए लक्ष्य का पीछा कर रहे थे। लेकिन यह मजा शायद एक भ्रम था, जो इस विश्व कप में मिलने वाली चुनौतियों के लिए शायद पर्याप्त नहीं था। टूर्नामेंट से पहले खेले गए अपने आखिरी कुछ मैचों में भारत ने जिन पिचों पर खेला, वे सभी सपाट थीं और रनों से भरी हुई थीं।

भारत ने अपने पिछले छह मैचों में से चार में 200 से अधिक रन बनाए हैं, जिनमें से तीन में उसने पहले बल्लेबाजी की है। अहमदाबाद में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 231/5, न्यूजीलैंड के खिलाफ 238/7 और न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 271/5 रन बनाए। उन्होंने 209 रनों का लक्ष्य 28 गेंद शेष रहते और 154 रनों का लक्ष्य 10 ओवर शेष रहते हासिल कर लिया।

दक्षिण अफ्रीका से हार पर भड़के गावस्कर कहा- टीम इंडिया का अति आत्मविश्वास ले डूबा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टी20 विश्व कप के मैच से सबक लेकर अपने अहं का त्याग करना चाहिए और अति आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरकर हर गेंद को बाउंड्री लाइन के बाहर भेजने के बजाय परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहिए। भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बल्लेबाजों की नाकामी के कारण सुपर आठ के महत्वपूर्ण मुकाबले में 76 रन से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा।

गावस्कर ने जिओ स्टार से कहा, ''भारतीय बल्लेबाजों को ब्रेविस और मिलर की साझेदारी से सीख लेकर इस तरह का दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत थी। भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसा नहीं किया। वे अति आत्मविश्वास के साथ उतरे, हर गेंद पर बल्ला चलाया और विकेट गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका खेल के हर विभाग में भारत से अव्वल साबित हुआ।'' दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और एक समय उसका स्कोर तीन विकेट पर 20 रन था लेकिन इसके बाद मिलर और ब्रेविस ने 97 रन की साझेदारी की जिससे दक्षिण अफ्रीका सात विकेट पर 187 रन बनाने में सफल रहा। इसके जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन पर आउट हो गई। गावस्कर ने कहा, ''भारत ने दक्षिण अफ्रीका से कोई सबक नहीं लिया। भारतीय बल्लेबाज क्रीज पर उतर कर हर गेंद को बाउंड्री लाइन के बाहर पहुंचाने का प्रयास कर रहे थे। टी20 क्रिकेट ऐसे नहीं खेला जाता।'' उन्होंने कहा, ''आपको विपक्षी टीम से सीख लेनी चाहिए थी। अगर

उन्होंने इस तरह की मुश्किल पिच पर अच्छा स्कोर किया है तो आपको अपना अहं त्यागकर उनकी पारी का विश्लेषण करना चाहिए था और परिस्थितियों के अनुसार बल्लेबाजी करनी चाहिए थी।''

भारत ने पावर प्ले के अंदर अपने शीर्ष तीन बल्लेबाजों ईशान किशन (00), अभिषेक शर्मा (15) और तिलक वर्मा (01) के विकेट गंवा दिये थे। गावस्कर ने कहा, ''तिलक वर्मा बेहद चतुर बल्लेबाज है लेकिन इस मैच में उनके खेलने के तरीके से मैं निराश था। तिलक को क्रीज पर कुछ समय बिताना चाहिए था। उन्हें साझेदारी निभाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए था।'' भारत का अगला मुकाबला जिंबॉब्वे से होगा और गावस्कर ने कहा कि वह अक्षर पटेल को अंतिम एकादश में देखना चाहते हैं। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अक्षर पटेल की जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका दिया।

लग्जरी हाउसिंग में गुरुग्राम अव्वल, 24, 120 करोड़ की बिक्री के साथ मुंबई को पछाड़ा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। गुरुग्राम में 10 करोड़ रुपये या उससे अधिक कीमत वाले लक्जरी घरों की बिक्री 2025 में मूल्य के हिसाब से 80 प्रतिशत बढ़कर 24, 120 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। मूल्य के लिहाज से गुरुग्राम ने मुंबई को पीछे छोड़ दिया है। एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। रियल एस्टेट सलाहकार 'इंडिया सॉथबीज इंटरनेशनल रियल्टी' (आईएसआईआर) और डेटा विश्लेषक कंपनी सीआरई मैट्रिक्स द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र

(एनसीआर) स्थित गुरुग्राम ने 10 करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले मकानों की बिक्री के कुल मूल्य के मामले में मुंबई को पीछे छोड़ दिया।

इस श्रेणी में गुरुग्राम में 24, 120 करोड़ रुपये के, जबकि मुंबई में 21, 902 करोड़ रुपये के घरों की बिक्री हुई। आंकड़ों के मुताबिक, गुरुग्राम में 10 करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले लक्जरी घरों की बिक्री पिछले कैलेंडर वर्ष में लगभग तीन गुना होकर 1, 494 इकाई पर पहुंच गई, जो 2024 में 519 इकाई रही थी। मूल्य के आधार पर बिक्री 2024 के 13, 384 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025 में 24, 120 करोड़ रुपये हो गई। रिपोर्ट कहती है, '' मुंबई पारंपरिक रूप से देश का सबसे महंगा रियल एस्टेट बाजार रहा है, लेकिन 2025 के दौरान 10 करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले लक्जरी घरों की कुल बिक्री के मूल्य के मामले में गुरुग्राम उससे आगे निकल गया।'' इंडिया सॉथबीज इंटरनेशनल रियल्टी की निदेशक (एरिया) टीना तलवार ने कहा, '' खास बात यह है कि यह वृद्धि अब केवल पुराने प्रतिष्ठित इलाकों तक सीमित नहीं है। द्वारका एक्सप्रेसवे, गोल्फ कोर्स रोड और गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड जैसे उभरते बाजार सामूहिक रूप से संरचनात्मक विस्तार को गति दे रहे हैं जिसे बुनियादी ढांचे में सुधार, बेहतर परियोजनाओं की पेशकश और बेहतर संपर्क का समर्थन मिल रहा है।'' सीआरई मैट्रिक्स के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अभिषेक किरण गुप्ता ने कहा कि पिछले दो साल में लक्जरी खंड में लगभग 10 गुना वृद्धि से खरीदारों का सतत भरोसा, मजबूत पूंजी प्रवाह और उच्च संपदा वाले व्यक्तियों (एचएनआई) की बढ़ती संख्या का संकेत मिलता है।

'इंडियन ओपन रेस वॉक'

पंजाब के साहिल का बड़ा उलटफेर, ओलिंपियन परमजीत-अक्षदीप को पछाड़कर जीता स्वर्ण

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पंजाब के खिलाड़ी साहिल ने 'इंडियन ओपन रेस वॉक' प्रतियोगिता के अंतिम दिन रविवार को यहां पुरुष हाफ मैराथन में अपने से अधिक चर्चित प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। मनोरम सुखना झील कोर्स पर रोमांचक मुकाबले में 24 वर्षीय साहिल ने तमिलनाडु के अनुभवी सर्विन सेबेस्टियन की कड़ी चुनौती को पीछे छोड़ते हुए 21 किलोमीटर की दूरी को एक घंटा 25 मिनट 48 सेकंड में पूरा कर पहला स्थान हासिल किया।

सेबेस्टियन ने 1:25:50.00 के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि हरियाणा के हरदीप ने 1:26:03.00 का समय लेकर कांस्य पदक अपने नाम किया। पेरिस ओलंपियन परमजीत सिंह बिष्ट (उत्तराखंड) 1:26:07.00 के समय के साथ चौथे स्थान पर रहे। बीस किमी पैदल चाल के ओलंपियन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक पंजाब के अक्षदीप सिंह सातवें स्थान पर रहे। उन्होंने 1:27:37.00 का समय लिया। दिल्ली के एक अन्य प्रमुख एथलीट विकास सिंह 1:30:41.00 के समय के साथ 10वें स्थान पर रहे, जबकि उत्तराखंड के सूरज पंवार दौड़ पूरी नहीं कर सके।

महिलाओं की 21 किमी स्पर्धा का खिताब हरियाणा की अनुभवी खिलाड़ी रवीना ने जीता। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने उत्तर प्रदेश की 24 वर्षीय मुनीता प्रजापति और उत्तराखंड की 23 वर्षीय मानसी नेगी को पछाड़ते हुए 1:39:15.00 के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। मुनीता ने 1:39:26.00 के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि कांस्य पदक मानसी नेगी को 1:42:58.00 के समय के साथ मिला। हाल ही में सीनियर वर्ग में कदम रखने वाली हरियाणा की उभरती किशोर एथलीट और विश्व अंडर-20 पदक विजेता आरती 1:43:15.00 के समय के साथ चौथे स्थान पर रहीं।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक धोखाधड़ी

590 करोड़ की धोखाधड़ी से निवेशकों में हाहाकार, शेयर बाजार में शेयर क्रैश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। हरियाणा सरकार के एक डिपार्टमेंट से अकाउंट बंद करने के एक रूटीन रिक्वेस्ट ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की अब तक की सबसे गंभीर फ्रॉड जांच शुरू कर दी है। जो एक सिंपल बैलेंस चेक से शुरू हुआ था, वह अब 590 करोड़ रुपये के रिकंसिलिएशन एक्सरसाइज, एक रेगुलेटरी डिस्क्लोजर, बैंक के सबसे ऊंचे लेवल पर कई इंटरनल मीटिंग और लेंडर के स्टॉक में तेज बिकवाली में बदल गया है।

पहला अलर्ट तब आया जब हरियाणा के एक डिपार्टमेंट ने बैंक से अपना अकाउंट बंद करने और फंड कहीं और ट्रांसफर करने को कहा। उस रिक्वेस्ट को प्रोसेस करते समय, बैंक को पता चला कि डिपार्टमेंट द्वारा रिकॉर्ड की गई रकम उसकी अपनी बुक्स में दिखाए गए बैलेंस से मैच नहीं करती थी। उस एक गड़बड़ी की वजह से अंदर ही अंदर गहरी जांच की गई। अगले कुछ दिनों में, 18 फरवरी से, हरियाणा सरकार की कई और कंपनियों ने इसी तरह की चिंताओं के साथ बैंक से संपर्क किया। हर एक ने ऐसे बैलेंस का दावा किया जो बैंक के सिस्टम में दिखाए गए बैलेंस से अलग था।

एक शुरुआती इंटरनल असेसमेंट से पता चला कि गड़बड़ियां बैंक की चंडीगढ़ ब्रांच में हरियाणा सरकार से जुड़े अकाउंट्स के एक खास क्लस्टर में थीं। स्टॉक एक्सचेंज में फाइल किए गए फॉर्मल डिस्क्लोजर के अनुसार, बैंक का मानना है कि

यह समस्या ब्रांच के दूसरे कस्टमर्स तक नहीं फैली है। रिकंसिलिएशन के तहत संदिग्ध रकम लगभग 590 करोड़ रुपये है, हालांकि बैंक ने कहा है कि आखिरी असर रिकवरी, इंश्योरेंस, क्लेम के वैलिडेशन और कानूनी प्रोसेस पर निर्भर करेगा।

बैंक की स्थिति को तुरंत कंट्रोल करने की कोशिश के बावजूद, एक्सचेंज के डिस्क्लोजर पब्लिश करने के बाद इन्वेस्टर्स ने तीखी प्रतिक्रिया दी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयर लगभग 20इ गिर गए। अचानक आई गिरावट गवर्नेंस में चूक, सरकारी अकाउंट्स के शामिल होने और संदिग्ध फ्रॉड के साइज़ को लेकर गहरी चिंता को दिखाती है। एक ऐसे लेंडर के लिए जिसने पिछले कुछ सालों में खुद को डिसिप्लिन्ड और सख्ती से गवर्नेंस वाला बताया है।

बाफ्टा 2026 : आलिया भट्ट ने 'नमस्ते' से जीता दुनिया का दिल, हॉलीवुड के दिग्गजों के बीच बिखेरा भारतीय रंग!

ब्रिटिश एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स (बाफ्टा) ने 2026 के अपने प्रतिष्ठित फिल्म अवॉर्ड्स के लिए प्रेजेंटरों की सूची जारी कर दी है। इस बार भारत के लिए गर्व का पल है क्योंकि बॉलीवुड की सुपरस्टार और 'लव एंड वॉर' फिल्म से चर्चा में आईं आलिया भट्ट को आधिकारिक तौर पर प्रेजेंटर चुना गया है। यह समारोह 22 फरवरी को लंदन में आयोजित होगा, जहां आलिया हॉलीवुड के दिग्गज कलाकारों के साथ मंच साझा करती नजर आएंगी।

17 फरवरी 2026 को बाफ्टा ने अपने इंस्टाग्राम पर प्रेजेंटर्स की लिस्ट जारी की, जिसमें आलिया का नाम हॉलीवुड के दिग्गजों के साथ चमक रहा है। वे सिलियन मर्फी ('ओपेनहाइमर' फेम), केट हडसन, ग्लेन क्लोज, माइकल बी. जॉर्डन, सैडी सिंक, एथन हॉक और ब्रायन क्रैनस्टन जैसे सितारों के साथ स्टेज साझा करेंगी। अन्य नामों में गिलियन एंडरसन, ओलिविया कूक, रिज अहमद, मैगी गायलनहाल और स्टॉर्मजी शामिल हैं। यह लिस्ट वैश्विक सिनेमा की विविधता को दर्शाती है। समारोह 22 फरवरी 2026 को लंदन के रॉयल फेस्टिवल हॉल में होगा। आलिया ने

इस ऐलान पर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में मजेदार रिएक्शन दिया । '100 पॉइंट्स अगर आप मुझे स्पॉट कर लें!'। यह उनके हल्के-फुल्के अंदाज को दिखाता है।

यह मौका आलिया के लिए मील का पत्थर है। इससे पहले 2021 में प्रियंका चोपड़ा जोनास और 2024 में दीपिका पादुकोण ने बाफ्टा में प्रेजेंट किया था। आलिया का शामिल होना भारतीय सिनेमा की वैश्विक पहचान को मजबूत करता है। कांस और मेट गाला के बाद बाफ्टा उनकी अंतरराष्ट्रीय यात्रा का नया अध्याय है।

इस साल बाफ्टा में पॉल थॉमस एंडरसन की 'वन बैटल आफ्टर एनदर' को 14 नामांकन मिले, जबकि रायन कूगलर की 'सिनर्स' को 13 नामांकन मिले। अन्य फिल्में जैसे क्लो जो की 'हैम्नेट' और जोश सफ्दी की 'मार्टी सुप्रीम' को 11-11 नामांकन हैं। भारतीय फिल्म 'बूंग' (मणिपुरी भाषा) को चिल्ड्रन एंड फैमिली कैटेगरी में जगह मिली है। हालांकि, 'विक्डः फॉर गुड' जैसे कुछ प्रोजेक्ट्स को स्नब झेलना पड़ा।

आलिया फिलहाल वाईआरएफ की 'अल्फा' (शर्वरी और बॉबी देओल संग) और संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' (रणबीर कपूर, विक्की कौशल संग) में बिजी हैं। 'अल्फा' इस साल रिलीज हो सकती है, जबकि 'लव एंड वॉर' में थोड़ी देरी हो सकती है। उनका यह जलवा बाफ्टा को यादगार बना देगा।

पॉप क्वीन शकीरा की भारत में धमाकेदार वापसी, मुंबई-दिल्ली में होगा लाइव कॉन्सर्ट

क्या आपको भी पॉप म्यूजिक पसंद है? तो यह खबर आपके लिए किसी खुशखबरी से कम नहीं है। दरअसल, ग्लोबल पॉप आइकन और कई ग्रैमी अवॉर्ड विनपर शकीरा एक बार फिरस भारत आ रही है। वाका-वाका गर्ल शकीरा 19 साल बाद फिरसे इंडियन स्टेज पर लाइल परफॉर्म करनी जा रही है। सिंगर के दुनियाभर में करोड़ों फैन हैं। गौरतलब है कि भारत में भी शकीरा की फैन फॉलोइंग तगड़ी है। लोगों को इनके गाने और डांस मूव्ज बेहद पसंद है। आपको बताते चलें कि शकीरा पूरी दुनिया में वाका-वाका गर्ल के नाम से फेमस है। वहीं, साल 2007 में मुंबई में इन्होंने शो किया था। इस बार 2026 में दो बड़े शहरों में शकीरा का कॉन्सर्ट होने जा रहा है। ये इवेंट फीडिंग इंडिया कॉन्सर्ट 2026 के जरिए आयोजित हो रहा है, इनका उद्देश्य है कि भूख और कुपोषण जैसे मुद्दों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। आइए आपको बताते हैं कैसे और कहां टिकट बुक करें। सबसे पहला कॉन्सर्ट शकीरा का मुंबई में 10 अप्रैल 2026 को होने जा रहा है। ये शो महालक्ष्मी रेसकोर्स में आयोजित होगा। दूसरी ओर 15 अप्रैल 2026 को शकीरा लाइव परफॉर्मेंस देंगी। ये कॉन्सर्ट जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में रखा गया है। इसके अतिरिक्त शकीरा का कॉन्सर्ट बेंगलुरु में भी होगा। यदि आपके पास एचएसबीसी का क्रेडिट कार्ड है, तो आपको टिकट बुक करने का विशेष पहले मौका मिलेगा। प्री-सेल 27 फरवरी को दोपहर 12 बजे शुरू होकर 1 मार्च को दोपहर 12 बजे तक जारी रहेगी। इसके बाद 1 मार्च को दोपहर 1 बजे से सभी के लिए सामान्य टिकट बिक्री शुरू कर दी जाएगी। टिकटें ज़ोमैटो द्वारा जिला ऐप और उसकी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होंगी। दिलचस्प बात यह है कि, आपको यहां अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें जैसी फैसिलिटी भी मिलेगी। ऐसे में आप पहले हाफ पेमेंट कर सकते हैं, बाकी का भुगतान बाद में करें।

कहा जा रहा है कि शकीरा अपने सबसे सुपरहिट गानों पर परफॉर्म करेंगी। इनमें कूल्हे झूठ नहीं बोलते, जब भी, जहाँ भी और वाका वाका जैसे सॉन्ग्स शामिल हैं। शकीरा के इन गानों के फैन तो हम सभी है। भारत में यह गाने काफी पसंद किए गए है।

मध्य रेल

मरम्मत कार्यों के लिए अनुबंध

मुख्य कारखाना प्रबंधक का कार्यालय, ई एम यू पी ओ एच, सानपाडा, नवी मुंबई। **निविदा सूचना क्र.: आरआर/पीआर/एसएनपीडी/365/25-26/66, दिनांक: 21.02.2026. कार्य का विवरण:** लैवेटरी (शौचालय) की मरम्मत हेतु कार्य अनुबंध, जिसमें स्ट्रिपिंग, ओवरहॉलिंग, लीकेज परीक्षण तथा ओवरहेड पानी की टंकियों की फिटिंग और बायो- डाइजेस्टर टैंकों का डिस्मेंटलिंग, सफाई, मरम्मत, पुनः फिटमेंट और अपशिष्ट प्रबंधन शामिल है। साथ ही 6 मिमी मोटाई वाली लैवेटरी स्क्रेपर मैट की आपूर्ति एवं फिटमेंट तथा DEMU / MEMU कोचों की पेंटिंग। **अनुमानित लागत:** रु. 49,66,882.68. **ईएमडी:** रु.99,300. **निविदा प्रपत्रका शुल्क:** NIL. **समापन अवधी:** 18 महीने। **निविदा जमा करनेकी तिथि एवं अवधी:** 16.03.2026, 14:30 बजे तक। **बोली शुरू करने की तारीख:** 02.03.2026. टेंडर केवल ई टेंडरिंग में वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। टेंडर पंजिका वेबसाइट में उपलब्ध है। AK-928

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

पश्चिम रेलवे
भावनगर मंडल

इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ई.आई.) प्रणाली कीआपूर्ति, स्थापना, प्रोग्रामिंग, परीक्षण और कमीशनिंग

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (S&T) पश्चिम रेलवे, भावनगर निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करता हैं :- **निविदा क्रमांक: 57-2025** भावनगर मण्डल : इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ई.आई.) प्रणाली की आपूर्ति, स्थापना, प्रोग्रामिंग, परीक्षण और कमीशनिंग बाहरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कार्य और एमएसडीएसी की व्यवस्था के साथ वांसजालिया जंक्शन के संबंध में इंटरलॉकिंग को मानक। से मानक ।। (R) में अपग्रेड करना, साथ ही भावनगर प्रभाग के ई.आई. और एमएसडीएसी की व्यवस्था करना **अनुमानित लागत :** रू. 76695243.77/- (केवल सात करोड़ छियासठ लाख पंचानबे हज़ार दो सौ तैंतालीस रुपये और सतहत्तर पैसे) बोली दाताओं को अधिक जानकारी के लिए केवल **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा. कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं. ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तारीख 16/03/2026 को 15.00 बजेतकरहेगी। BVP 279

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

निर्माण कार्य

मंडलीय रेल प्रबंधक (पश्चिम), पश्चिम रेलवे, छठी मंज़िल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400008 द्वारा ई-निविदा सूचना क्रमांक ँण्ऊ/25-26/316, दिनांक 17/02/2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य एवं स्थानः** (1) सूरत - नए टीआरआईपी शेड का निर्माण (विद्युत भाग सहित संयुक्त निविदा)। (2) उधना - प्लेटफार्म क्रमांक 6 पर प्लेटफार्म कवर उपलब्ध कराना, शौचालय ब्लॉक, बैठने की व्यवस्था तथा अन्य न्यूनतम आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करना। **कार्य की अनुमानित लागतः** रु. 20,58,44,062.20 **जमानत राशि (ईएमडी):** रु. 11,79,200/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** दिनांक 17.03.2026, समय 15:00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथि एवं समयः** दिनांक 17.03.2026, समय 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 1138

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

एल.टी.एम.जी. अस्पताल, सायन, मुंबई-400022
क्रमांकः LTH/SD/722/M दिनांकः 24/02/2026

ई-महानिविदा सूचना

यह एक ई-निविदा सूचना है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (एमसीजीएम) के आयुक्त द्वारा तीन पैकेट प्रणाली के अंतर्गत नीचे दिए गए अनुसार ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नामः एल.टी.एम.जी. अस्पताल के लिए कंप्लीट एपिड्यूरल सेट 18जी 75एमएम-110एमएम की आपूर्ति।

अ.क्र.	विवरण	ई-निविदा शुल्क (रु.)	जमानत राशि / ईएमडी (रु.)	ऑनलाइन निविदा डाउनलोड प्रारंभ तिथि एवं समय	ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय
1.	कंप्लीट एपिड्यूरल सेट 18जी 75एमएम-110एमएम मात्रा - 600 नग निविदा क्रमांक (बिड नंबर): 2026_MCGM_1279873	रु. 3630/- + जीएसटी 18%	रु. 24,570/-	20/02/2026 दोपहर 12.00 बजे (12:00 बजे)	27/02/2026 शाम 06.00 बजे (18:00 बजे)

इच्छुक निविदाकार निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए महानगरपालिका की वेबसाइट http://www.mcgm.gov.in पर अवश्य जाएँ। निविदा दस्तावेज डाक द्वारा न तो जारी किए जाएँगे और न ही डाक द्वारा स्वीकार किए जाएँगे।

डीन,
पीआरओ/3062/विज्ञा./2025-26 एल.टी.एम.जी. अस्पताल, सायन

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

एल.टी.एम.जी. अस्पताल, सायन, मुंबई-400022
क्रमांकः LTH/SD/720/M दिनांकः 18/02/2026

ई-महानिविदा सूचना

यह एक ई-निविदा सूचना है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (एमसीजीएम) के आयुक्त द्वारा तीन पैकेट प्रणाली के अंतर्गत नीचे दिए गए अनुसार ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नामः एल.टी.एम.जी. अस्पताल के लिए एच1एन1 इन्फ्लुएंजा वायरस आइसोलेशन हेतु वायरल ट्रांसपोर्ट स्वैब एवं कल्चर माध्यम की आपूर्ति।

अ.क्र.	विवरण	ई-निविदा शुल्क (रु.)	जमानत राशि / ईएमडी (रु.)	ऑनलाइन निविदा डाउनलोड प्रारंभ तिथि एवं समय	ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय
1.	एच1एन1 इन्फ्लुएंजा वायरस के पृथक्करण (आइसोलेशन) के लिए वायरल ट्रांसपोर्ट स्वैब एवं कल्चर माध्यम। कुल मात्राः 100 किट (1 किट = 50 नग)। निविदा क्रमांक (बिड नंबर): 2026_MCGM_1279840	रु. 1452/- + जीएसटी 18%	रु. 16,800/-	18/02/2026 शाम 06.00 बजे (18:00 बजे)	28/02/2026 दोपहर 04.00 बजे (16:00 बजे)

इच्छुक निविदाकार निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए महानगरपालिका की वेबसाइट http://www.mcgm.gov.in पर अवश्य जाएँ। निविदा दस्तावेज डाक द्वारा न तो जारी किए जाएँगे और न ही डाक द्वारा स्वीकार किए जाएँगे।

डीन,
पीआरओ/3060/विज्ञा./2025-26 एल.टी.एम.जी. अस्पताल, सायन

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

राजकीय महाविद्यालय, सैदाबाद, प्रयागराज के राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के चौथे दिन नशा मुक्ति एवं स्वस्थ जीवन पर व्याख्यान एवं जागरूकता रैली आयोजित

संस्कार पढ़ाए नहीं अनुसरण किए जाते हैं - डॉ जी एस तोमर

प्रयागराज । राजकीय महाविद्यालय, सैदाबाद, प्रयागराज की राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन का आयोजन महावीर सुमित्रा महिला महाविद्यालय परिसर में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रख्यात आयुर्वेदाचार्य एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. जी. एस. तोमर ने 'नशा मुक्ति और स्वस्थ जीवन' विषय पर सारगर्भित एवं प्रेरणादायी व्याख्यान दिया। अपने संबोधन में डॉ. तोमर ने भारतीय ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में स्वास्थ्य को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। उन्होंने एंटीबायोटिक दवाओं के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए आयुर्वेद की प्राकृतिक एवं संतुलित चिकित्सा पद्धति को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि सुश्रुत संहिता में स्पष्ट उल्लेख है कि स्वस्थ रहना ही जीवन का मूल आधार है। आयुर्वेद के अनुसार 'प्रसन्न आत्मा, इन्द्रिय और मन' ही वास्तविक स्वास्थ्य के सूचक हैं। डॉ तोमर ने कहा कि संस्कृति और संस्कार पढ़ाए नहीं जाते, बल्कि उनका अनुसरण किया जाता है।

आध्यात्मिक स्वास्थ्य (एज्रेर्ल्ट पैंटू) को जीवन की अनिवार्य आवश्यकता बताते हुए उन्होंने योग एवं प्राणायाम के नियमित अभ्यास पर बल दिया। डॉ. तोमर ने अश्वगंधा, शतावरी, आंवला,

मुलेठी, ब्राह्मी, शंखपुष्पी तथा गिलोय जैसी आयुर्वेदिक औषधियों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि ये औषधियाँ शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक हैं। साथ ही उन्होंने नशे से मुक्ति के लिए आयुर्वेदिक औषधियों एवं संयमित जीवनशैली के महत्व की जानकारी दी । उन्होंने तम्बाकू एवं मद्य के व्यसन से मुक्ति पाने के लिए अपने अभिनव प्रयोग एवं अनुभवों को साझा किया । मंचासीन अतिथियों को आरोग्य भारती का पत्रक प्रदान करते हुए डॉ तोमर ने नशा मुक्ति पर चल रहे प्रकल्प की जानकारी प्रदान की । महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आशीष जोशी ने मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ से स्वागत करते हुए आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए आयुर्वेद पद्धति अपनाने को प्रेरित किया। व्याख्यान के उपरांत एनएसएस के शिविरार्थियों द्वारा नशा मुक्ति पर एन एस एस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अजय यादव एवं डॉ मारुति शरण ओझा के निर्देशन में एक जागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली गोंद लिए ग्राम बजहां मिश्रान में आयोजित की गई, जहाँ स्वयंसेवकों ने नारों एवं जनसंवाद के माध्यम से ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया तथा नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया। स्वयंसेवकों ने घर-घर संपर्क कर ग्रामवासियों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने एवं युवाओं को नशे से दूर रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. जंग बहादुर यादव द्वारा किया गया तथा आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मारुति शरण ओझा ने किया। शिविर के इस बौद्धिक सत्र एवं जागरूकता रैली में स्वयंसेवकों एवं ग्रामवासियों में स्वास्थ्य चेतना तथा नशा मुक्ति के संकल्प को और अधिक सुदृढ़ किया।

20 बार बच निकला था, मगर 21वीं मुठभेड़ में मारा गया जैश-ए-मोहम्मद का कुख्यात कमांडर सैफुल्ला

श्रीनगर **(एजेंसी)**। जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के एक सुदूर इलाके में रविवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए तीनों आतंकवादियों के शव बुरी तरह झुलस गए हैं क्योंकि वे जिस मिट्टी के मकान में छिपे हुए थे उसमें गोलीबारी के कारण आग लग गई थी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों के प्रारंभिक आकलन में पता चला है कि मृतकों में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) का एक कुख्यात कमांडर सैफुल्ला भी है।

खबरों के मुताबिक, सैफुल्ला ने लगभग पांच साल पहले जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ किया था और तब से इस क्षेत्र में सक्रिय था। उस पर सुरक्षा बलों पर कई घातक हमलों की साजिश रचने का आरोप है। इनमें जुलाई 2024 का हमला भी शामिल है, जिसमें एक कैप्टन समेत चार जवान शहीद हो गए थे। सैफुल्ला पहले भी कई मुठभेड़ों के दौरान बच निकला था। जैश-ए-मोहम्मद का आतंकवादी सैफुल्लाह कम से कम 20 बार सुरक्षा बलों के हाथों से बच निकला था। सूत्रों ने बताया कि आतंकवादियों की गतिविधियों के बारे में पुख्ता खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन शुरू किया था। आतंकवादी पहाड़ी पर बने एक कच्चे घर में छिपे हुए थे। आतंकवादियों को मार गिराने वालों में राज्य पुलिस, सीआरपीएफ और विशेष बल शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि तीसरे आतंकवादी का शव और एक हथियार शाम को आतंकवादी के जले हुए ठिकाने से बरामद किया गया।

इसके पहले सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने व्हाइट नाइट कोर के जवानों द्वारा तीन आतंकवादियों को मार गिराने के लिए की गई 'तेज और सटीक' कार्रवाई की सराहना की। भारतीय सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सेना के कमांडर ने दुर्गम क्षेत्र में दृढ़ साहस दिखाने के लिए जमीनी स्तर पर तैनात कमांडरों और सैनिकों की सराहना की है। उत्तरी कमान आतंकवाद मुक्त जम्मू कश्मीर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।'' पोस्ट में कहा गया है कि चतरू बेल्ट के पासेरकुट इलाके में 'त्राशी-1' ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों को मार गिराया गया तथा दो एके-47 राइफल और गोला-बारूद बरामद किये गए।

व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जम्मू कश्मीर पुलिस, खुफिया ब्यूरो और हमारे अपने सूत्रों से प्राप्त विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर, क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादियों का पता लगाने और उन्हें मार गिराने के लिए किश्तवार क्षेत्र में 'त्राशी-1' ऑपरेशन के तहत एक सुनियोजित संयुक्त अभियान चलाया गया।'' पोस्ट के अनुसार 'काउंटर-इंटेलिजेंस फोर्स' (सीआईएफ)-डेल्टा के जवानों ने पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ करीबी समन्वय में आज पूर्वाह्न लगभग 11 बजे दुर्गम इलाके में आतंकवादियों को चुनौती दी। सेना ने कहा कि सटीकता, निर्बाध तालमेल और दृढ़ आक्रामकता का प्रदर्शन करते हुए, जवानों ने मुठभेड़ स्थल पर अपना दबदबा कायम किया, जहां तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया।

प्रारंभिक जानकारी का हवाला देते हुए अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादी एक पहाड़ी की तलहटी में एक कच्चे मकान में छिपे हुए थे और उन्होंने आगे बढ़ रही सुरक्षा बलों की टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे भीषण मुठभेड़ शुरू हो गई। गोलीबारी के दौरान कच्चे मकान में आग लग गई और वह जलकर खाक हो गया। घटनास्थल से आतंकवादियों के झुलसे हुए शव बरामद किए गए और उनकी पहचान के प्रयास जारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि खुफिया जानकारी से पहले सैफुल्ला और उसके अन्य साथियों (पाकिस्तानी नागरिक) की मौजूदगी का संकेत मिला था।

हम आपको बता दें कि चतरू वन क्षेत्र में 18 जनवरी से अब तक आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच लगभग छह मुठभेड़ हुईं, जिनमें एक सैनिक शहीद हो गया जबकि एक आतंकवादी मारा गया था। रविवार को तीन आतंकवादियों के मारे जाने के साथ ही, इस साल जम्मू क्षेत्र में अलग-अलग मुठभेड़ों में सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के कुल सात आतंकवादियों को मार गिराया है। इससे पहले, चार फरवरी को उधमपुर के रामनगर जंगल में दो आतंकवादी मारे गए थे और 23 जनवरी को कठुआ के परहेतर गांव में एक आतंकवादी मारा गया था। इस बीच, शनिवार देर रात सांबा जिले के पांगदौर चौक पर जांच के दौरान एक ट्रक चालक के मोबाइल फोन में पाकिस्तान से जुड़े कुछ नंबर मिलने के बाद उसे पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया।

'2 नहीं 4 बच्चे चाहिए और शादी के बाद मैं भी बढ़ाऊंगा आबादी' अजमेर में पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। धीरेंद्र शास्त्री एक बार फिर से अपने बयान को लेकर चर्चा में आए हैं। उन्होंने अजमेर में एक धार्मिक सभा को संबोधित करते हुए जनसंख्या, धर्मांतरण और आधुनिक जीवनशैली जैसे कई संवेदनशील मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखी। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने भारत में हिंदुओं की कम होती संख्या को एक गंभीर समस्या बताया। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए जनसंख्या संतुलन जरूरी है। इसी संदर्भ में उन्होंने सुझाव दिया कि हर हिंदू परिवार में कम से कम चार बच्चे होने चाहिए। उन्होंने चुटकी लेते हुए यह

भी कहा कि विवाह के पश्चात वे स्वयं भी इस दिशा में योगदान देंगे।

धर्मांतरण के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए उन्होंने 'घर वापसी' की अपील की। उन्होंने बॉलीवुड फिल्म 'अमर अकबर एंथनी' का रोचक उदाहरण देते हुए समझाया कि जैसे फिल्म के किरदारों के पिता अंत में एक ही निकलते हैं, वैसे ही अगर लोग अपने पूर्वजों के इतिहास को समझें, तो उन्हें अपनी सनातनी जड़ों का एहसास हो जाएगा। उन्होंने धर्मांतरण को रोकने के लिए शिक्षा, भक्ति और आर्थिक सहयोग को तीन मुख्य स्तंभ बताया है। सोशल मीडिया के दौर में युवाओं, विशेषकर बेटियों के भटकने पर उन्होंने चिंता जाहिर की। उन्होंने नसीहत दी कि इंस्टाग्राम पर रील बनाकर समय गंवाने के बजाय बेटियों को आईएएस, आईपीएस बनना चाहिए या दुर्गा और काली जैसी शक्ति का प्रतीक बनना चाहिए। गीता के श्लोक का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि अपने धर्म में रहकर ही जीवन की सार्थकता है और दूसरों की संस्कृति का अंधानुकरण करना खतरनाक हो सकता है।

एक्शन में प्रधानमंत्री तारिक रहमान, सेना में बड़ा फेरबदल, भारत से रक्षा सलाहकार को वापस बुलाया

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने 17 फरवरी को अपनी सरकार के ऑफिस संभालने के कुछ ही दिनों बाद देश की मिलिट्री लीडरशिप में बड़े बदलावों को मंज़ूरी दे दी है। इस फेरबदल से बांग्लादेश आर्मी के कई सीनियर पदों पर असर पड़ेगा, जिसमें खास ऑपरेशनल कमांड और देश की टॉप मिलिट्री इंटेलिजेंस एजेंसी शामिल हैं। ढाका ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के मुताबिक, नए एडमिनिस्ट्रेशन के चार्ज संभालने के तुरंत बाद आर्मी हेडक्वार्टर ने ये बदलाव जारी किए। इस कदम को आम तौर पर नई लीडरशिप की तरफ से आर्म्ड फोर्सेज़ पर अपना कंट्रोल मजबूत करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। इसके लिए उन्होंने मुहम्मद यूनुस की लीडरशिप वाली पिछली सरकार के तहत नियुक्त सीनियर अधिकारियों को बदला है, जिसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटा दिया गया था।

सबसे अहम अपॉइंटमेंट्स में लेफ्टिनेंट जनरल एम मैनुर रहमान का अपॉइंटमेंट है, जिन्हें नया चीफ ऑफ जनरल स्टाफ (सीजीएस) बनाया गया है। इससे पहले वह आर्मी ट्रेनिंग एंड डॉक्ट्रिन कमांड में जनरल ऑफिसर कमांडिंग के तौर पर काम कर चुके हैं।

वह लेफ्टिनेंट जनरल मिजानुर रहमान शमीम की जगह लेंगे, जो हाल ही में रिटायरमेंट लीव पर गए थे। मेजर जनरल कैसर राशिद चौधरी को डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ फोर्सेज़ इंटेलिजेंस का डायरेक्टर जनरल अपॉइंट किया गया है, जो बांग्लादेश की सबसे बड़ी मिलिट्री इंटेलिजेंस बॉडी है। वह अभी आर्मी हेडक्वार्टर में ब्रिगेडियर जनरल के तौर पर काम कर रहे हैं और मेजर जनरल के पद पर प्रमोशन मिलने पर ऑफिशियली यह रोल संभालेंगे। वह मेजर जनरल मोहम्मद जहाँगीर आलम की जगह लेंगे, जिन्हें विदेश मंत्रालय में एम्बेसडर के तौर पर पोस्ट किया गया है।

प्रिंसिपल स्टाफ ऑफिसर के पद में भी बदलाव किए गए हैं। लेफ्टिनेंट जनरल एसएम कमरुल हसन को उनकी ड्यूटी से हटाकर विदेश मंत्रालय में अटैच कर दिया गया है, ताकि उन्हें विदेश में डिप्लोमैटिक पोस्टिंग दी जा सके। यह रोल नए प्रमोट हुए लेफ्टिनेंट जनरल मीर मुशफिकुर रहमान ने संभाला है।

सरकार ने ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद हफीजुर रहमान को भी भारत में बांग्लादेश हाई कमीशन में डिफेंस सलाहकार के पद से वापस बुला लिया है। उन्हें मेजर जनरल के पद पर प्रमोट किया गया है और 55वीं इन्फैंट्री डिवीजन का जनरल ऑफिसर कमांडिंग नियुक्त किया गया है। इस बीच, मेजर जनरल जेएम इमदादुल इस्लाम, जो पहले 55वीं इन्फैंट्री डिवीजन की कमान संभाल रहे थे, को ईस्ट बंगाल रेजिमेंटल सेंटर का कमांडेंट फिर से नियुक्त किया गया है।

कार्नी की यात्रा से पहले बड़ा संकेत भारत-कनाडा में हो सकता ऐतिहासिक समझौता 50 अरब डॉलर व्यापार का टारगेट

ओटावा **(एजेंसी)**। भारत के कनाडा में उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने उम्मीद जताई है कि भारत और कनाडा अगले एक वर्ष के भीतर व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। यह बयान कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की प्रस्तावित भारत यात्रा से पहले आया है। दोनों देशों ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान बातचीत को फिर से शुरू करने पर सहमति जताई थी।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, सीईपीए का उद्देश्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। भारत-कनाडा के बीच सीईपीए पर बातचीत 2010 में शुरू हुई थी, लेकिन कई बार रुक गई। अब बदलते वैश्विक हालात और रणनीतिक जरूरतों को देखते हुए दोनों देश तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं। दिनेश पटनायक ने कहा कि दोनों देशों ने पिछले कुछ वर्षों में कई फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किए हैं, इसलिए अनुभव के आधार पर समझौता जल्दी संभव है। पटनायक ने कहा कि कनाडा कमोडिटी निर्यातक देश है, जबकि भारत बड़ा उपभोक्ता बाजार है। इसलिए दोनों देशों के उद्योगों में सीधी प्रतिस्पर्धा कम है और सहयोग की संभावनाएं अधिक हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फाइटोसैनिटरी नियम, सरकारी खरीद या कस्टम प्रक्रियाएं जैसे सामान्य मुद्दे इस बार बड़ी बाधा नहीं बन रहे। ऐ्ईं के तहत वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार, निवेश, कृषि, डिजिटल कॉमर्स और हाई-टेक क्षेत्रों में व्यापक सहयोग का रास्ता खुलेगा। यह समझौता वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत और कनाडा के आर्थिक रिश्तों को नई मजबूती देगा और दोनों देशों को रणनीतिक रूप से करीब लाएगा।

उद्यमियों को प्रोत्साहन मिले तो भारत बन सकता है नंबर-1 : अनिल अग्रवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि परोपकारी सोच वाली उद्यमिता और सरकार के सहयोग से भारत दुनिया में नंबर-1 बन सकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए वर्तमान समय बिल्कुल अनुकूल है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में अग्रवाल ने अमेरिका के विकास का उदाहरण देते हुए उद्यमियों की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने हिस्ट्री चैनल की एक श्रृंखला का उल्लेख किया, जिसमें अमेरिका के निर्माण में राजनेताओं या वैज्ञानिकों के बजाय

उद्यमियों को प्रमुख भूमिका में दिखाया गया है।

उन्होंने लिखा, 'अमेरिका को किसने बनाया? न कोई राजनेता, न वैज्ञानिक और न ही कोई बुद्धिजीवी। हिस्ट्री चैनल की एक शानदार श्रृंखला में केवल उद्यमियों को चुना गया है।' श्रृंखला में कॉर्नेलियस वेंडरबिल्ट, एंड्रयू कार्नेगी, जॉन रॉकफेलर, जे.पी. मॉर्गन और हेनरी फोर्ड जैसे उद्योगपतियों का जिक्र है, जिन्होंने क्रमशः अवसंरचना, इस्पात, तेल, बैंकिंग और ऑटोमोबाइल उद्योगों की नींव रखी।

अग्रवाल ने कहा कि भारत के विकास में भी उद्यमियों की केंद्रीय भूमिका होनी चाहिए। उन्होंने लिखा, 'हमें अपने उद्यमियों को प्रोत्साहित करना चाहिए, उन पर विश्वास करना चाहिए और उन्हें सम्मान देना चाहिए। वे परिसंपत्तियां बनाएंगे, प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग करेंगे, रोजगार सृजित करेंगे और देश के राजस्व में योगदान देंगे।'

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग ने 13 साल की बेटी को सबसे पावरफुल कुर्सी पर बिठाया, संभालेगी मिसाइल विभाग

सियोल **(एजेंसी)**। उत्तर कोरिया की राजनीति में इस वक्त एक बड़ा बदलाव पूरी दुनिया को हैरान कर रहा है। तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी महज 13 साल की बेटी, किम जू ए को देश की सबसे पावरफुल कुर्सी पर बिठा दिया है। रिपोर्टों के मुताबिक, अब उत्तर कोरिया के मिसाइल निर्माण विभाग (मिसाइल विभाग) की जिम्मेदारी उनकी बेटी संभालेगी, यह वही विभाग है जो अमेरिका और जापान जैसे दुश्मनों की नींद उड़ाने वाले घातक हथियारों को तैयार करता है।

हैरान करने वाली बात यह है कि इस बड़ी जिम्मेदारी को दुनिया की नजरों से छिपाने के लिए किम ने अपनी बेटी का नाम तक बदल दिया है. अब उन्हें 'किम जू ए' के बजाय 'किम जू हे' के नाम से पुकारा जा रहा है. यह रणनीति कुछ वैसी ही है, जैसी खुद किम जोंग उन के वक्त अपनाई गई थी। जब 2009 में उन्हें उत्तराधिकारी चुना गया था, तब उनका नाम 'किम जोंग वून' से बदलकर 'किम जोंग उन' कर दिया गया था। अब बेटी के साथ भी वही इतिहास दोहराया जा रहा है।

उत्तर कोरिया के लिए मिसाइल विभाग का महत्व सबसे ऊपर है। यहां हर साल लगभग 50 मिसाइलें बनाई जाती हैं और किम के पास 3000 से ज्यादा मिसाइलों का खतरनाक भंडार है। इस विभाग में काम करने वाले अधिकारियों की जान हमेशा जोखिम में रहती है, क्योंकि काम में ज़रा सी चूक होने पर किम उन्हें सीधे मौत की सजा देने के लिए जाने जाते हैं। अब इतनी सख्त और खतरनाक जगह की कमान अपनी बेटी को सौंपना साफ इशारा करता है कि किम उन्हें भविष्य के शासक के तौर पर तैयार कर रहे हैं।

साल 2013 में जन्मी किम जू ए पहली बार 2022 में सार्वजनिक तौर पर नजर आई थीं। उन्हें उत्तर कोरिया में बहुत सम्मान दिया जाता है और अक्सर 'सम्मानित संतान' कहकर पुकारा जाता है। जू ए को घुड़सवारी और स्कीइंग का बेहद शौक है, लेकिन उनकी असली ट्रेनिंग उनके पिता खुद ले रहे हैं। किम अपनी बेटी को कूटनीति, शिष्टाचार और देश चलाने के गुण सिखा रहे हैं।

ईरान में हालात नियंत्रण से बाहर : भारत की अपने नागरिकों को तुरंत देश छोड़ने की चेतावनी

तेहरान **(एजेंसी)**। ईरान में चल रहे देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के बीच भारतीय दूतावास ने सभी भारतीय नागरिकों को तत्काल देश छोड़ने की सलाह जारी की है। तेहरान में भारतीय दूतावास ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि बदलते हालात को देखते हुए छात्र, तीर्थयात्री, कारोबारी और पर्यटक उपलब्ध वाणिज्यिक उड़ानों से जल्द से जल्द ईरान से बाहर निकल जाएं। यह परामर्श 5 जनवरी और 14 जनवरी 2026 को जारी पहले के अलर्ट का ही विस्तार है।

भारतीय दूतावास ने आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर और ईमेल भी जारी किए गए हैं। साथ ही, जिन भारतीयों ने अभी तक दूतावास में पंजीकरण नहीं कराया है, उन्हें तुरंत ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने को कहा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राजधानी तेहरान सहित कई शहरों में छात्रों ने लगातार दूसरे दिन सरकार विरोधी प्रदर्शन किए। तेहरान विश्वविद्यालय, शरीफ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, अमीरकबीर यूनिवर्सिटी और शाहिद बेहेश्ती यूनिवर्सिटी जैसे प्रमुख संस्थानों में बड़ी संख्या में छात्र सड़कों पर उतरे।

यह एडवाइजरी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जारी की गई है। स्थिति लगातार बदल रही है, इसलिए सभी भारतीयों से सतर्क रहने और दूतावास के निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है। प्रदर्शनों के दौरान सरकार समर्थक समूहों और विरोधी छात्रों के बीच झड़पें भी हुईं।बताया गया है कि अर्धसैनिक बल इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) से जुड़े बसीज सदस्यों की भी तैनाती की गई।

कैंपस के आसपास भारी हथियारों से लैस सुरक्षा बल तैनात हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, हालिया प्रदर्शनों और पहले हुए दमन के दौरान हजारों लोगों को हिरासत में लिया गया है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)